नमो क्रिकेट लीग में कुरुक्षेत्र, नोएडा, पानीपत, जींद और समालखा की टीमें जीतीं

पेज-8

संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
शुक्रवार
2 अक्टूबर, 2026
वर्ष: 25 अंक: 99
कुल पृष्ठ: 08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

श्रीमद् भागवत कथा आत्मा के परम कल्याण और जीवन को सही दिशा देने की पवित्र यात्रा : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा आत्मा को जागृत करने, जीवन को सही मार्ग दिखाने तथा समाज में सद्भाव और धर्म की स्थापना का माध्यम है। श्रीमद् भागवत महापुराण को भारतीय संस्कृति का हृदय कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के माध्यम से इसमें जीवन के गूढ़ सत्य, कर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी वीरवार को पंजाब के पंजोला (पटियाला) में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कथा वाचक श्री सीतापाल शास्त्री जी, संत-महात्मागण और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा आत्मा के परम कल्याण की पवित्र यात्रा है। इसका प्रसंग उस पावन वेला से जुड़ा है, जब महर्षि वेदव्यास के पुत्र भगवान शुकदेव जी ने गंगा के पावन तट पर महाराज परीक्षित को यह कथा सुनाई थी। महाराज परीक्षित को सात दिनों के भीतर तक्षक नाग के डसने का शाप प्राप्त था, लेकिन उन्होंने मृत्यु के भय से परे होकर इन सात दिनों में भागवत का अमृतरस पान किया। इसी कारण भारतीय संस्कृति में भागवत कथा प्रायः सात दिनों के अनुष्ठान के रूप में आयोजित की जाती है।

युवाओं को नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मानव के भौतिक और आध्यात्मिक जीवन के बीच संतुलन बनाने का काम करती है तथा युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों से जोड़ती है।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई से स्वयं भी दूर रहें और अपने साथियों को भी इससे बचाएं। नशा व्यक्ति के शरीर और मन के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। युवाओं को अपनी ऊर्जा नशे में नष्ट करने के बजाय शिक्षा, खेलकूद, कौशल विकास, समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण जैसे श्रेष्ठ कार्यों में लगानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार संतों, महापुरुषों और हमारी सनातन संस्कृति के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने सेब के ख़रीद मूल्य में एक रुपये बढ़ोतरी की घोषणा की, एक दिसंबर से दूध के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा किसानों, बागवानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र के चिड़गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि एक दिसंबर से दूध के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में दूध के दाम में बहुत कम वृद्धि होती थी, जबकि वर्तमान राज्य सरकार ने दूध के समर्थन मूल्य में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की है और आने वाले समय में इसमें और वृद्धि से पशुपालकों की आय में बढ़ोतरी होगी।

श्री सुक्खू ने मंडी मध्यस्थता योजना (एमआईएस) के तहत खरीदे जाने वाले सेब के खरीद मूल्य में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए कहा कि अब एमआईएस के तहत सेब 12 रुपये के स्थान पर 13 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार गांवों की सरकार है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। सेब बागवानों को लाभान्वित करने के लिए राज्य सरकार ने यूनिवर्सल कार्टन व्यवस्था लागू की है तथा प्राकृतिक खेती के उत्पादों को भी समर्थन मूल्य प्रदान किया जा रहा है।

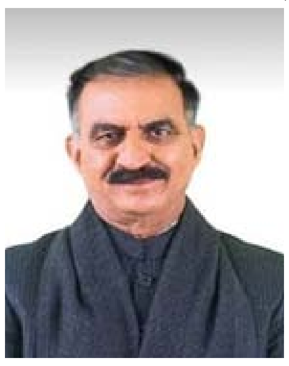

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र पर ध्यान नहीं दिया गया और वर्ष 2021 में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में हिमाचल प्रदेश 21वें स्थान पर था, जबकि वर्तमान राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश अब पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की कमी न हो, इसके लिए पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई शुरू की गई है।

सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की घटती संख्या को देखते हुए राज्य सरकार ने 150 से अधिक सीबीएसई स्कूल खोले हैं। रोहड़ू के एक स्कूल में सीबीएसई व्यवस्था लागू होने के बाद एक ही वर्ष में विद्यार्थियों की संख्या में 500 से अधिक की वृद्धि हुई है।

मोटी-मोटी बातें

न्यूजीलैंड के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट की

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से आज यहां न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रिक राटा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सेब उत्पादन का हिमाचल की आर्थिकी में महत्त्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश सरकार बागवानी को सुदृढ़ करने के लिए नवीन तकनीक व नवाचार को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने प्रदेश में सेब की बागवानी को प्रोत्साहित करने के लिए हिमाचल व न्यूजीलैंड के किसानों व बागवानों के लिए एक्सपोजर विजिट करवाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रदेश में प्राकृतिक खेती से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि न्यूजीलैंड, हिमाचल प्रदेश में सेब की बागवानी को प्रोत्साहित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करने के लिए इच्छुक है। उन्होंने न्यूजीलैंड द्वारा प्रदेश में प्रस्तावित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी।

एशियाई खेलों के फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगा भारत, क्या अय्यर की टीम मिलाएगी विरोधी टीम से हाथ?

निशिन (जापान): भारत को शनिवार को यहां एशियाई खेलों के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करना होगा और यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों टीमों के खिलाड़ी अन्य खेलों के खिलाड़ियों की तरह एक-दूसरे से हाथ मिलाएंगे या नहीं। भारत ने वीरवार को सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हराकर फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला तय किया। इस मुकाबले के मैदान पर क्रिकेट के साथ-साथ मैदान के बाहर के घटनाक्रम को लेकर भी चर्चा में रहने की संभावना है। मैच से पहले एक बार फिर इस बात पर विस्तृत चर्चा होगी कि दोनों टीम के खिलाड़ी हाथ मिलाएंगे या नहीं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पिछले साल से भारतीय खिलाड़ियों ने एशिया कप और आईसीसी प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से परहेज किया है। इसे भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता के प्रदर्शन के तौर पर देखा गया है। पाकिस्तान के साथ हाथ नहीं मिलाने की यह नीति एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की प्रतियोगिताओं में जारी रहने वाली है लेकिन सवाल यह है कि क्या इसे एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) द्वारा आयोजित महाद्वीपीय खेलों तक भी बढ़ाया जाएगा? ओसीए या अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के नियम खिलाड़ियों के लिए हाथ मिलाना अनिवार्य नहीं करते लेकिन इसे खेल भावना और शिष्ट आचरण के मानकों में शामिल माना जाता है।

तीन उत्तराखंड निवासियों सहित चार व्यक्ति गिरफ्तार; सात आधुनिक पिस्तौलें बरामद

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/गुरदासपुर, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रहे अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता के तहत गुरदासपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय हथियार तस्करी करने वाले रैकेट का पर्दाफाश करते हुए चार व्यक्तियों, जिनमें से तीन उत्तराखंड के रहने वाले हैं, को सात आधुनिक पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार किया है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान लवप्रीत सिंह (26), लवप्रीत सिंह (25) और जशनदीप सिंह (25), सभी निवासी सितारगंज, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड और हरजिंदर सिंह (23), निवासी लखन कलां, कलानौर, गुरदासपुर, के रूप में हुई है।

बरामद किए गए हथियारों में एक ग्लॉक (ऑस्ट्रिया निर्मित), चार .30 बोर (चीन निर्मित) और दो .30 बोर पिस्तौलें सहित आठ मैगजीन शामिल हैं। हथियार बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने उनकी सिल्वर मारुति स्विफ्ट कार (यूके 16 सी 0040) को भी जब्त कर लिया है, जिसका इस्तेमाल वे आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे थे।

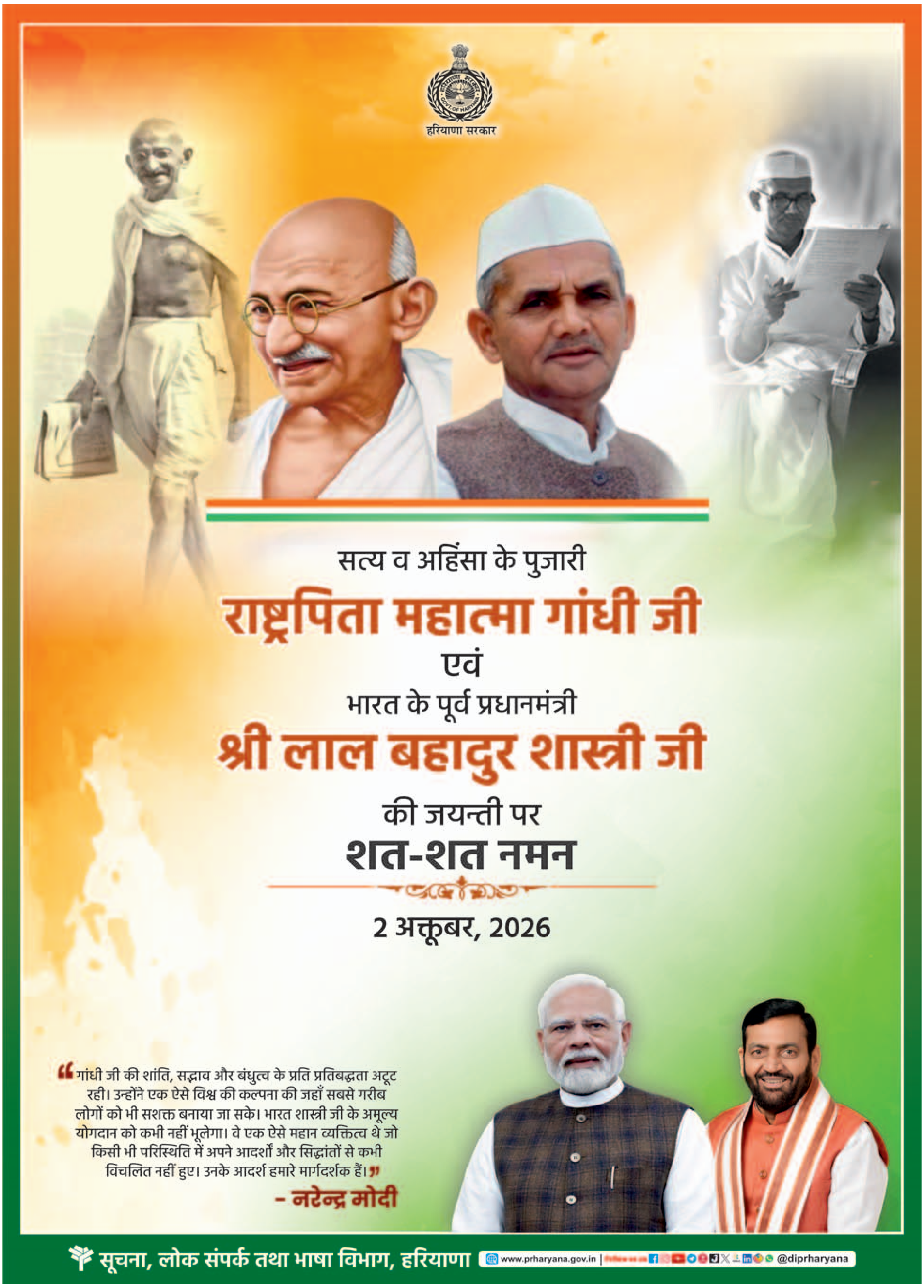

न्यूज डायरी

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस धर्मशाला में 45 पदों के लिए साक्षात्कार 06 अक्टूबर को

हिन्द जनपथ
धर्मशाला(ब्यूरो)। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस धर्मशाला ने महिला व पुरूष फाइनेंस एडवाइजर, पार्ट टाइम बिजनेस एसोसिएट और यूनिट मेनेजर के 45 पदों के लिए साक्षात्कार 06 अक्टूबर को प्रातः 10:30 बजे एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, श्याम नगर, धर्मशाला, यूको बैंक में होंगे।

यह जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी, कांगड़ा अक्षय कुमार ने बताया कि 25 से 60 वर्ष की आयु के बीच बारहवीं पास व ग्रेजुएट व्यक्ति इन पदों के लिए पात्र होंगे, जिन्हें 30,000 से 35,000 रूपये प्रति माह वेतन व अन्य सुविधाएं कंपनी के नियमानुसार दी जाएंगी।

इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो, हिमाचली प्रमाण पत्र के मूल प्रमाण पत्र व बायोडाटा की कॉपी और यदि संभव हो अनुभव प्रमाण-पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय दूरभाष नं-01892-224892 पर संपर्क किया जा सकता है।

राज्यपाल 02 अक्तूबर को सोलन के प्रवास पर

हिन्द जनपथ
सोलन(ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता 02 अक्तूबर, 2026 को सोलन जिला के प्रवास पर आ रहे हैं।

राज्यपाल 02 अक्तूबर, 2026 को प्रातः 10.45 बजे सोलन के गण की सेर स्थित माधव सृष्टि परिसर में प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र के शुभारम्भ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे।

कविन्द्र गुप्ता तदोपरान्त दोपहर 02.40 बजे सैंट मैरी कॉन्वैंट स्कूल, कसौली में नशा निवारण अभियान कार्यक्रम 'संकल्प' में मुख्य अतिथि होंगे।

हर्षवर्द्धन चौहान 02 अक्तूबर को कसौली विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर

हिन्द जनपथ
कसौली(ब्यूरो)। उद्योग, संसदीय कार्य तथा श्रम एवं रोज़गार मंत्री हर्षवर्द्धन चौहान 02 अक्तूबर, 2026 को सोलन के कसौली विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर आ रहे हैं।

हर्षवर्द्धन चौहान 02 अक्तूबर, 2026 को प्रातः 09.30 बजे धर्मपुर स्थित पाईनग्रूव स्कूल के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह-2026 में मुख्य अतिथि होंगे।

बरवाला फीडर में 3 अक्टूबर को बिजली बंद

हिन्द जनपथ
धर्मशाला(ब्यूरो)। :विद्युत उप-मंडल सिद्धपुर के सहायक अभियंता संतोष कुमार ने जानकारी दी है कि 11 केवी बरवाला फीडर पर आवश्यक रखरखाव एवं मरम्मत कार्य के चलते 3 अक्टूबर को प्रातः 9:30 से सायं 5:30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान सिद्धबाड़ी, फतेहपुर, तपोवन, आधुनिक स्कूल, रासां, चैती, ब्रेह, बरवाला, झियोल तथा इससे आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। मौसम खराब होने या अन्य आकस्मिक आपदा में यह कार्य स्थगित या आंशिक रूप से किया जा सकता है।

जेएनवी में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्तूबर

हिन्द जनपथ
सोलन(ब्यूरो)। पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय कुनिहार में शैक्षणिक सत्र 2027 के लिए कक्षा नवीं व ग्यारहवीं में प्रवेश के लिए निःशुल्क चयन परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितम्बर से बढ़ाकर अब 15 अक्तूबर, 2026 कर दी गई है।

यह जानकारी पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय कुनिहार के प्राचार्य कृष्ण यादव ने दी।

कृष्ण यादव ने कहा कि आवेदन के लिए कक्षा आठवीं व दसवीं में अध्ययनरत पात्र उम्मीदवार https://cbseitms.nic.in/2026/nvsix_9 तथा https://cbseitms.nic.in/2026/nvsxi_11 पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

उन्होंने कहा कि चयन परीक्षा 10 अप्रैल, 2027 को सम्बन्धित परीक्षा केन्द्र पर आयोजित की जाएगी।

161 सरकारी सीबीएसई स्कूलों में राजनीति विज्ञान और मनोविज्ञान के 161 शिक्षक नियुक्त

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने और विद्यार्थियों को विषयवार बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाने की दिशा में शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। निदेशालय स्कूल शिक्षा ने राजनीति विज्ञान के 93 और मनोविज्ञान के 68 शिक्षकों सहित कुल 161 शिक्षकों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। दोनों विषयों के लिए जारी कार्यालय आदेशों में चयनित अभ्यर्थियों को प्रदेश के विभिन्न सरकारी, पीएम श्री और मॉडल सीबीएसई स्कूलों में तैनाती दी गई है। राजनीति विज्ञान के आदेश में 93 चयनित अभ्यर्थियों की सूची दी गई है, जबकि मनोविज्ञान के आदेश में 68 अभ्यर्थियों की तैनाती से शामिल किया गया है।

शिक्षा विभाग के अनुसार ये नियुक्तियां 'Scheme for the Engagement of Teachers in Government Schools Affiliated to Central Board of Secondary Education (CBSE)' के तहत की गई हैं। चयनित शिक्षकों को निर्धारित शर्तों के अनुसार अस्थायी आधार पर तैनात किया जाएगा। आदेश के मुताबिक शिक्षकों को 30 हजार रुपये मासिक समेकित मानदेय दिया जाएगा और नियुक्ति पांच वर्ष की निर्धारित अवधि के लिए होगी, हालांकि इसे सरकार की स्वीकृति और योजना के प्रावधानों के अनुसार आगे बढ़ाया जा सकता है।

पीएम श्री और मॉडल स्कूलों में मिलेगी तैनाती

राजनीति विज्ञान के चयनित शिक्षकों को प्रदेश के विभिन्न जिलों के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों, राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों और अन्य सरकारी सीबीएसई स्कूलों में नियुक्त किया गया है। सूची में शिमला, मंडी, कांगड़ा, सिरमौर, सोलन, चंबा, हमीरपुर, बिलासपुर, ऊना, कुल्लू, किन्नौर सहित विभिन्न जिलों के विद्यालय शामिल हैं। इसी तरह मनोविज्ञान विषय के 68 शिक्षकों की नियुक्ति भी प्रदेश के विभिन्न सरकारी सीबीएसई स्कूलों में की गई है। इनमें पीएम श्री स्कूलों के साथ सरकारी मॉडल और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। CBSE Teachers Psychology Orders.pdf

स्कूलों में विषय विशेषज्ञता मजबूत करने पर जोर

आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि नियुक्त शिक्षकों को मध्य स्तर से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक संबंधित विषयों की कक्षाएं लेने के साथ आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त कक्षाओं और remedial classes में भी सेवाएं देनी होंगी।

148 सरकारी सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। निदेशक स्कूल शिक्षा आशीष कोहली ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के निर्देशों के अनुरूप हिमाचल प्रदेश के 148 सरकारी सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड आज से लागू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों में अनुशासन, पेशेवर पहचान और संस्थागत गरिमा को बढ़ावा देना तथा विद्यालयों में अधिक व्यवस्थित एवं पेशेवर शिक्षण वातावरण तैयार करना है। ड्रेस कोड तैयार करते समय शिक्षकों की व्यावसायिक आवश्यकताओं के साथ-साथ प्रदेश की जलवायु परिस्थितियों का भी ध्यान रखा गया है। निर्धारित रंगों में 'हल्का लाइलैक, लाइलैक पर्पल और नेवी ब्लू' शामिल हैं, जबकि जूते तथा निर्धारित अन्य एक्सेसरीज के लिए 'काला रंग' तय किया गया है।

महिला शिक्षकों के लिए निर्धारित परिधान में 'ब्लेजर के साथ साड़ी, कुरता व कमीज के साथ पैंट, प्लाजो या सलवार तथा टाई और ब्लेजर के साथ शर्ट-ट्राउजर' शामिल हैं। वहीं, पुरुष शिक्षकों के लिए 'शर्ट, ट्राउजर, टाई और ब्लेजर' निर्धारित किया गया है। ड्यूटी के दौरान सभी शिक्षकों को पहचान पत्र पहनना अनिवार्य होगा। ब्लेजर पर संबंधित विद्यालय अथवा विभाग का निर्धारित लोगो भी प्रदर्शित किया जाएगा।

निदेशक ने बताया कि यह ड्रेस कोड सभी शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों पर लागू होगा, जिसमें आउटसोर्स आधार पर कार्यरत शिक्षक भी शामिल हैं। चिकित्सकीय आवश्यकता, दिव्यांगता अथवा गर्भावस्था की स्थिति में संस्थान के प्रमुख की अनुमति से निर्धारित ड्रेस कोड में आवश्यक छूट या उपयुक्त परिवर्तन किया जा सकेगा।

यह पहल राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे व्यापक शिक्षा सुधारों और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। इन सुधारों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाए जा रहे हैं, जिनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समान अवसर, जवाबदेही और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण पर विशेष बल दिया जा रहा है। इन प्रयासों से हिमाचल प्रदेश को शिक्षा सुधारों के क्षेत्र में एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

राज्य सरकार आगामी शैक्षणिक सत्र से 100 नए सीबीएसई स्कूल खोलने की दिशा में कार्य कर रही है। वहीं, सीबीएसई स्कूलों में लगभग 2,000 शिक्षण पद पहले ही भरे जा चुके हैं। शिक्षकों की जवाबदेही और उपस्थिति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दिन में तीन बार उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था भी शुरू की जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके सम्मान एवं पुरस्कार की व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा रहा है। आगामी शैक्षणिक सत्र से सरकारी पीएम श्री स्कूलों में नामांकित विद्यार्थियों के अभिलेखों में श्रेणी का उल्लेख नहीं किया जाएगा। हालांकि, पात्र परिवारों को मौजूदा प्रावधानों के अनुसार सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

राज्य सरकार की यह सभी पहल आधुनिक, समावेशी और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। इनका उद्देश्य शिक्षकों के पेशेवर मानकों को मजबूत करना, समान अवसर सुनिश्चित करना तथा विद्यार्थियों के बेहतर सीखने के परिणामों को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री से अंतर-मंत्रालय केन्द्रीय दल ने भेंट की

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से आज यहां अंतर-मंत्रालय केन्द्रीय दल ने भेंट की। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव एम. रामचंद्रुडु के नेतृत्व में अंतर मंत्रालय के इस दल ने सितम्बर माह में प्रदेश के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बरसात के दौरान प्राकृतिक आपदाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव नजर आने लगे हैं। उन्होंने प्रदेश में बादल फटने की बढ़ती घटनाओं के वैज्ञानिक अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र द्वारा आपदा राहत राशि जारी किए जाने वाले मापदंडों में बदलाव किया जाना चाहिए क्योंकि पर्वतीय राज्यों की परिस्थितियां मैदानी क्षेत्रों से भिन्न हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश का उत्तरी भारत के पारिस्थितिक तंत्र को संतुलित रखने तथा स्वच्छ वायु प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने राजमार्गों के विकास के दौरान सुरंगों के अधिक से अधिक निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव के.के. पंत, जल शक्ति मंत्रालय के निदेशक प्रकाश चंद, कृषि विभाग एवं कृषक कल्याण विभाग के निदेशक डॉ. सुभाष चंद्रा, ग्रामीण विभाग मंत्रालय के निदेशक रामावतार मीणा, निदेशक एवं विशेष सचिव आपदा प्रबंधन पुष्पेंद्र राणा, अंतर मंत्रालय केन्द्रीय दल के अन्य सदस्य और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नॉर्वे की राजधानी ओसलो स्थित भारतीय दूतावास पहुँचे विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां अपने विदेश दौरे के समापन से पूर्व गत सायं नॉर्वे की राजधानी ओसलो स्थित भारतीय दूतावास पहुँचे जहाँ भारतीय दूतावास प्रमुख 2013 बैच की आई० एफ० एस० अधिकारी अनन्या अग्रवाल ने उनकी अगवानी की। दूतावास प्रमुख ने गुलदस्ता भेंट कर विधान सभा अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। बैठक के दौरान कई कूटनीतिक विषयों पर चर्चा की गई। हालांकि नॉर्वे में भारतीय उच्चायोग नहीं है बल्कि वहाँ पर भारतीय दूतावास मौजूद है। इस अवसर पर दोनों के बीच कई कूटनीतिक, सामाजिक, आर्थिक तथा दोनों देशों के बीच परस्पर सम्बन्धों पर गहन चर्चा की गई। बातचीत में भारत और नॉर्वे के बीच बढ़ती मित्रता तथा हिमाचल प्रदेश के साथ सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा हुई। इनमें शिक्षा, पर्यटन, हरित ऊर्जा, सतत विकास और संसदीय कार्यप्रणाली के आदान – प्रदान जैसे विषय शामिल थे।

माननीय अध्यक्ष ने दूतावास प्रमुख अनन्या अग्रवाल को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने भारत- नॉर्वे सम्बन्धों को मजबूत करने और नॉर्वे में भारतीय समुदाय का सहयोग करने के लिए दूतावास के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दूतावास प्रमुख को हिमाचल प्रदेश आने का निमंत्रण भी दिया। इस दौरान विधान सभा अध्यक्ष ने हिमाचली टोपी, शॉल तथा अन्य उत्पादों पर चर्चा की तथा हिमाचल प्रदेश में पर्यटन की बढ़ती सम्भावनाओं का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने दूतावास के अधिकारियों के साथ हिमाचल में मौजूद धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन पर विस्तृत चर्चा की।

जगत सिंह नेगी ने न्यूजीलैंड के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने आज शिमला में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रिक राटा के नेतृत्व में हिमाचल के प्रवास पर आए छह सदस्यीय दल के साथ बैठक की।

बैठक में हिमाचल के तीन दिवसीय प्रवास पर आए इस प्रतिनिधिमंडल ने हिमाचल में बागवानी के विविध आयामों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

जगत नेगी ने कहा कि इंडो-न्यूजीलैंड कृषि परियोजना के तहत सेब, कीवी और नाशपाती के लिए 15 करोड़ रुपये से प्रस्तावित इंडो-न्यूजीलैंड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रदेश में बागवानी क्षेत्र के विस्तार में सहायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हजारों परिवार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बागवानी क्षेत्र से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य न्यूजीलैंड की तकनीकी दक्षता से किसानों का कौशल उन्नयन करना और उन्हें बागवानी की नई तकनीकों से अवगत करवाना है।

इस परियोजना के तहत गुणवत्तापूर्ण, रोग प्रतिरोधी और बेहतर पौध नर्सरियों को विकसित किया जाएगा। इसमें आधुनिक और बेहतर तकनीकों का उपयोग करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप कीवी, सेब और नाशपाती की पौध की उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित एकीकृत पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन की सुविधाएं तैयार की जाएंगी। परियोजना के तहत किसानों को प्रशिक्षण और एक्सपोजर विजिट के माध्यम से उनके कौशल उन्नयन पर बल दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल इस परियोजना के लिए प्रस्तावित स्थलों का दौरा करेगा और इन क्षेत्रों की भौगोलिक स्थितियों का सटीक आकलन करेगा। इसके तहत प्रतिनिधिमंडल जिला सिरमौर के राजगढ़ का दौरा करेगा। बैठक में न्यूजीलैंड के विशेष कृषि व्यापार दूत नाथन गाइ, कांउसलर प्राथमिक उद्योग, उच्चायोग जेम्स वॉ, कृषि साझेदारी प्रबंधक सुश्री प्रियम अरोड़ा, सुश्री डेनियल व लैकलन, बागवानी विभाग के अतिरिक्त निदेशक विद्या प्रकाश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

HGCTA चुनाव 2026 का कार्यक्रम घोषित

शिमला। हिमाचल प्रदेश राजकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ (HGCTA) चुनाव 2026 के लिए अंतिम चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय, चौड़ा मैदान, शिमला के प्राचार्य एवं HGCTA चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. गोपाल चौहान ने चुनाव कार्यक्रम की अधिसूचना जारी की।

डॉ. गोपाल चौहान ने बताया कि प्रदेश के महाविद्यालयों में आयोजित होने वाले विभिन्न यूथ फेस्टिवल, खेलकूद प्रतियोगिताओं और अंतर-महाविद्यालय गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए चुनाव कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है। इसका उद्देश्य महाविद्यालयों के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रमों में किसी तरह की बाधा न आने देना तथा चुनाव प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाना है।

2 अक्तूबर को नामांकन और नाम वापसी

जारी कार्यक्रम के अनुसार 2 अक्तूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय, चौड़ा मैदान में नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसी दिन दोपहर 3 से शाम 4 बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया होगी। उम्मीदवारों की अंतिम सूची शाम 5 बजे प्रकाशित की जाएगी।

इसके बाद 3 अक्तूबर से 31 अक्तूबर तक चुनाव प्रचार चलेगा। प्रदेश के सभी प्रतिभागी राजकीय महाविद्यालयों में 3 नवंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा।

मुख्यमंत्री ने रोहड़ू में एंटी-चिट्टा रैली को दिखाई हरी झंडी, स्वयं किया नेतृत्व

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला जिला में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रोहड़ू से एंटी-चिट्टा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं रैली का नेतृत्व किया और विद्यार्थियों के साथ इसमें शामिल होकर नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। रैली के दौरान रोहड़ू बाजार 'नशा छोड़ो, जिंदगी से नाता जोड़ो' जैसे नारों से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने भारी संख्या में रैली में भाग लेकर नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार नशा माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है और नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के लिए हिमाचल प्रदेश में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में एंटी-चिट्टा रैलियों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि युवाओं और आम जनता को चिट्टा एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा सके। उन्होंने कहा कि नशा के खिलाफ जागरूकता में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को एंटी-चिट्टा शपथ भी दिलवाई और उनसे नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई और उन्हें प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर विधायक मोहन लाल ब्राक्टा, नशा निवारण बोर्ड के सह संयोजक संजय भारद्वाज, उपायुक्त अनुपम कश्यप, पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

छात्रा की मांग पर मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालय रोहड़ू के नए भवन के लिए दो करोड़ रुपये की घोषणा की

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज रोहड़ू स्थित पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीबीएसई के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के विभिन्न सवालों के जवाब दिए और उनकी जिज्ञासाओं एवं विचारों को सुना। संवाद के दौरान एक छात्रा द्वारा स्कूल के नए भवन की मांग रखे जाने पर मुख्यमंत्री ने नए भवन के निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण के लिए यह राशि पर्याप्त नहीं होगी तथा राज्य सरकार आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने कहा कि नए परिसर के निर्माण में कुछ समय लगेगा, लेकिन सरकार का लक्ष्य प्रदेश में सीबीएसई स्कूलों के लिए आधुनिक और बेहतर सुविधाओं से युक्त उत्कृष्ट परिसरों का निर्माण करना है। छात्रा ने कहा कि सीबीएसई स्कूल बनने के बाद रोहड़ू स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है और यहां दो शिफ्ट में कक्षाएं चलानी पड़ रही है। इसलिए यहां पर नए भवन की आवश्यकता है।

श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी क्षेत्र में सीबीएसई स्कूल खोलने पर विशेष बल दे रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना है, ताकि उन्हें निजी स्कूलों के समान आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें।

एक विद्यार्थी ने मुख्यमंत्री से जानना चाहा कि उनके लिए सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य क्या है, लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करना या अपने समय का प्रबंधन करना? इसके उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों ही महत्वपूर्ण हैं, लेकिन प्रदेश की आर्थिक स्थिति में समयबद्ध सुधार लाना सबसे बड़ी चुनौती रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और आने वाले समय में प्रदेश को देश के अग्रणी एवं समृद्ध राज्यों में शामिल करना का लक्ष्य है।

यूकेजी के एक विद्यार्थी ने ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से उनके बचपन में दादा-दादी द्वारा सुनाई जाने वाली कहानियों के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने अपने बचपन की स्मृतियां साझा करते हुए बताया कि सर्दियों के दिनों में परिवार के सदस्य आग के सामने बैठकर उन्हें कहानियां सुनाया करते थे। उन्होंने 'सात बहनों' की कहानी का भी उल्लेख किया।

इंदौरा में पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा

इंदौरा: इंदौरा विधानसभा क्षेत्र में पंचायत स्तर पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, स्थानीय समस्याओं तथा भविष्य की विकास आवश्यकताओं को लेकर वन विश्रामगृह, इंदौरा में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ विधायक मलेन्द्र राजन जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद किया।

इस दौरान कंगरेड़ी पंचायत, मदोली पंचायत, मकड़ौली पंचायत तथा टप्पा पंचायत के जनप्रतिनिधियों एवं विकास कार्यों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। इन बैठकों में संबंधित पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर आवश्यक विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर चर्चा की गई।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer, NH Division, HPPWD, Solan Distt. Solan HP on behalf of Governor of HP invites the percentage rate bids, in electronic tendering system, from the eligible class of contractors registered with HPPWD for the work detailed in the table.

Sr. No.	Name of work	Estimated cost	Earnest money	Starting Date for downloading bid	Deadline for submission of bid	Time
1	Maintenance of NH-05 on Kalka Shimla Wangtoo road from Km 131/000 to 145/100 & Km 0/00 to 13/00 on Shimla By Pass (SH:- Providing and laying paver blocks between RD 9/210 to 9/250)	17,01,854/-	35000 /-	06-10-2026 at 4:00 PM	13-10-2026 at 11.00 AM	Three month
2	Construction of steel car parking in front of NABARD building,Block No. 32 SDA Complex on Shimla Bye Pass NH-05	18,35,810/-	37000 /-	06-10-2026 at 4:00 PM	13-10-2026 at 11.00 AM	Three month
3	Maintenance of NH-05 on Kalka Shimla Wangtoo road from Km 131/000 to 145/100 & Km 0/00 to 13/00 on Shimla By Pass (SH:- Providing and laying interlock pavers on road from km 138/410 to 138/460)	11,97,111 /-	24000/-	06-10-2026 at 4:00 PM	13-10-2026 at 11.00 AM	Two month

The bidders are advised to note other detail of tenders from the department website i.e. **www.hptenders.gov.in**

Executive Engineer,
Solan NH Division,
HP.PWD, Solan.
(On behalf of Governor of Himachal Pradesh)
R.No.3827/2026-2027

बालूगंज में युवा भारत संस्था ने चलाया स्वच्छता अभियान

शिमला। गांधी जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती की पूर्व संध्या पर युवा भारत संस्था की ओर से कामना माता मंदिर परिसर, बालूगंज में विशेष स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया। संस्था के अध्यक्ष सुनील ठाकुर ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सफाई की गई तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।सुनील ठाकुर ने कहा कि युवा भारत संस्था लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता और रक्तदान जैसे सामाजिक अभियानों से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से गांधी जयंती के अवसर पर देशभर में चलाए जा रहे स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के प्रयासों से देश को खुले में शौच से मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण काम हुआ है। हिमाचल प्रदेश में प्लास्टिक पर प्रतिबंध जैसे कदम भी प्रदेश को स्वच्छ बनाने के साथ पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा में मददगार साबित हो रहे हैं।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

NSO ने अक्टूबर 2026 सर्वे अभियान शुरू किया, नागरिकों और उद्यमों से सहयोग की अपील

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) का क्षेत्र संकार्य प्रभाग (एफओडी) वर्ष 1950 से परिवारों एवं प्रतिष्ठानों से सूचनाएँ एकत्र करने का कार्य कर रहा है। इन सूचनाओं का उपयोग राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर योजना निर्माण तथा नीतियों के निर्धारण में किया जाता है।

प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) की ओर से e-Sigma सॉफ्टवेयर से युक्त हैंडहेल्ड डिजिटल उपकरणों (टैबलेट) तथा उद्यम सर्वेक्षणों के लिए निर्धारित सुरक्षित वेब पोर्टलों का उपयोग करके जानकारी एकत्र की जाती है। इन सर्वेक्षणों में एकत्र की गई सभी जानकारी को पूर्णतः गोपनीय रखा जाता है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले परिवारों एवं उद्यमों की पहचान किसी भी रिपोर्ट या प्रकाशित आँकड़ों में प्रकट नहीं की जाती। एकत्रित ऑकड़ों का उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

अक्तूबर, 2026 माह के दौरान विभिन्न जिलों में एनएसओ (एफओडी) द्वारा किए गए सर्वेक्षणों का विवरण संलग्नक-1 में संलग्न है। इसके अतिरिक्त, थोक मूल्य सूचकांक, क्रेता मूल्य सूचकांक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक तथा निगमित सेवा क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण हेतु चयनित इकाइयों को नोटिस भेजे गए हैं तथा समय-समय पर आंकड़ा संकलन के लिए एनएसओ (एफओडी) के अधिकारियों द्वारा उनसे संपर्क किया जाता है।

निवेशक जागरूकता और सेबी की भूमिका" पर सेमिनार आयोजित

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) तथा सिटीजन अवेयरनेस ग्रुप (सीएजी) द्वारा चंडीगढ़ के सेक्टर-38 स्थित कम्युनिटी सेंटर में निवेशक जागरूकता और सेबी की भूमिका विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना, निवेशकों को सोच-समझकर निवेश संबंधी निर्णय लेने के लिए जागरूक करना तथा शेयर बाजार के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। विशेषज्ञों ने शेयर, म्यूचुअल फंड और सरकारी बॉन्ड जैसे निवेश विकल्पों से जुड़े जोखिम और लाभ के बारे में जानकारी दी। साथ ही, नई और उभरती तकनीकों में निवेश करते समय सावधानी बरतने पर जोर दिया।

सिटीजन अवेयरनेस ग्रुप के चेयरमैन सुरिंदर वर्मा ने संस्था के उद्देश्यों के बारे में बताया और आधुनिक शेयर बाजार निवेश में तकनीक, विशेषकर मोबाइल ऐप आधारित ट्रेडिंग, की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने डेटा चोरी और अनियमितताओं जैसे जोखिमों का उल्लेख करते हुए निवेशकों में अधिक जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया।

हर बच्चे का सपना, सम्मान और सुरक्षित भविष्य पंजाब सरकार की जिम्मेदारी; आश्रित बच्चों के लिए अब तक लगभग 218 करोड़ रुपये जारी: डॉ. बलजीत कौर

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब सरकार द्वारा सहारे की आवश्यकता वाले आश्रित और अनाथ बच्चों की देखभाल, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए लगातार संवेदनशील प्रयास किए जा रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि मौजूदा वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान अब तक इन बच्चों के लिए लगभग 218 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी की जा चुकी है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि हर बच्चा प्यार, सहारे, सम्मान और अपने सपनों को पूरा करने के अवसर का हकदार है। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि जीवन की कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे बच्चों को समय पर सहायता मिले।

रजिस्ट्री सं० डी० एल०–33004/99 REGD.NO. D.L.-33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.–डी.एल.–अ.–01102026–276657
CG-DL-E-01102026-276657
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग–II–खण्ड 3–उप–खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5161] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 30, 2026/आश्विन 8, 1948
No. 5161] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 30, 2026/ASVINA 8, 1948

रेल मंत्रालय
[उत्तर रेलवे (निर्माण संगठन)]
अधिसूचना
नई दिल्ली, 29 सितंबर, 2026

का.आ. 5369 (अ). – केन्द्रीय सरकार, रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि लोक प्रयोजन के लिए, ऐसी भूमि का, जिसका संक्षिप्त विवरण इससे उपाबद्ध अनुसूची में दिया गया है, हरियाणा राज्य के पानीपत जिले में विशेष रेल परियोजना, अर्थात **'दिल्ली–पानीपत–अंबाला (198 कि०मी०) के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना'** के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती है;

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिन की अवधि के भीतर, उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन उपरोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन और उपयोग के संबंध में आक्षेप कर सकेगा;

प्रत्येक ऐसा आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् जिला राजस्व अधिकारी, पानीपत को लिखित में किया. जाएगा और उसमें उसके आधार उपवर्णित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आक्षेपकर्ता को या तो व्यक्तिगत रूप से या विधिव्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और सभी ऐसे आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी और जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा, या तो आक्षेपों को अनुज्ञात या अननुज्ञात कर सकेगा;

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उप–धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई आदेश अंतिम होगा;

इस अधिसूचना के अधीन आनेवाली भूमि का रेखांकन और अन्य ब्योरे उपलब्ध हैं और उनका हितबद्ध व्यक्ति द्वारा सक्षम प्राधिकारी के उपर्युक्त कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

अनुसूची

हरियाणा राज्य के जिला पानीपत में विशेष रेल परियोजना, अर्थात, **''दिल्ली–पानीपत–अंबाला (198 कि०मी०) के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना''** का निर्माण करने के लिए अधिग्रहण की जाने वाली भूमि का अवसंरचना सहित या उसके रहित संक्षिप्त विवरण।

क्र0सं0	तहसील	ग्राम	खसरा संख्या	अर्जन हेतु रकबा (हे0 में)
1			40//20	0.1167
2			40//11	0.0852
3			40//10	0.0850
4			40//1/3	0.0166
5	समालखा	भोड़वाल माजरी	40//1/1	0.0687
6			40//1/2	0.0180
7			31//20/1	0.0202
8			31//20/2	0.0884
9			31//21/1	0.0910
10			31//21/2	0.0202
कुल				**0.6100**
1			28//20/1	0.0001
2			28//22	0.0471
3			30//2	0.0458
4			30//9	0.0359
5			30//12	0.0273
6			30//19	0.0454
7			30//22	0.0818
8			253	0.0090
9			60//2	0.0623
10			60//9	0.0638
11			60//12	0.0779
12			60//19	0.1111
13			60//22	0.1140
14			63//2	0.0888
15			63//3	0.0574
16	समालखा	चुलकाना	63//8	0.0565
17			63//9	0.0624
18			63//12	0.0140
19			96//2	0.0086
20			96//8	0.0836
21			96//13	0.1394
22			96//18	0.1322
23			96//23	0.1168
24			99//3	0.0835
25			99//8	0.0668
26			99//13	0.0179
27			99//14	0.0430
28			99//17	0.0551
29			99//24	0.0391
30			126//4	0.0246
31			126//7	0.0105
कुल				**1.8218**
1			99//1	0.0266
2			99//20	0.0279
3			99//11	0.0291
4			99//10	0.0270
5	समालखा	किवाना	99//21/1	0.0147
6			99//21/2	0.0152
7			102//20	0.0272
8			102//11	0.0214
9			102//10	0.0280
10			102//1	0.0254
कुल				**0.2424**
1			99//5	0.0230
2			99//6	0.0049
3			78//25	0.0349
4			78//16	0.0404
5			78//15	0.0419
6			78//6	0.0380
7			78//4	0.0293
8			78//5/1	0.0049
9			71//24	0.0504
10			71//17	0.0717
11			71//14	0.0750
12	समालखा	मनाना	71//7	0.0798
13			71//4	0.0853
14			53//18	0.0240
15			53//23/3	0.0001
16			53//23/4	0.0429
17			53//13/2/1	0.0178
18			53//13/2/2	0.0013
19			53//13/1	0.0039
20			53//9	0.0112
21			33//17	0.0027
22			33//25	0.0125
23			0//170	0.0139
कुल				**0.7098**
1			3//24	0.0431
2			9//4/2	0.0257
3			9//4/3/1	0.0057
4			9//4/4/2	0.0106
5			9//6	0.0422
6			9//15	0.0424
7	समालखा	करहंस	9//25	0.0007
8			8//21	0.0138
9			9//16	0.0262
10			340	0.2861
11			16//1	0.0189
12			16//10	0.0200
13			16//11	0.0016
14			16//12	0.0193
15			16//19	0.0179
16			16//22	0.0152
17			27//2	0.0033
18			27//24	0.0139
19			27//18	0.0180
20			27//13	0.0168
21			27//3	0.0146
22			27//8	0.0159
23			32//4	0.0138
24			131	0.0057
25			32//26	0.0275
26			32//15	0.0131
27			32//16	0.0108
28			32//25	0.0081
29			33//21	0.0088
30	समालखा	करहंस	52//2	0.0752
31			52//8	0.0663
32			52//13	0.0697
33			52//18	0.0759
34			52//24	0.0775
35			73//4	0.0788
36			73//7	0.0851
37			73//15/1	0.0809
38			73//16	0.0602
39			49//22	0.0740
40			49//19	0.0310
41			49//11/3	0.0114
42			49//11/2	0.0121
43			49//11/1	0.0076
44			49//10/2	0.0101
45			49//10/1	0.0148
46			49//1	0.0224
47			342	0.2297
कुल				**1.8425**
1			3//21	0.0013
2			16//1/1	0.0053
3			16//1/2	0.0021
4			16//19/1	0.0057
5			16//19/2	0.0033
6			16//10	0.0040
7	समालखा	मछरौली	327	0.2392
8			16//12	0.0028
9			16//22	0.0159
10			21//3	0.0239
11			21//8/1	0.0098
12			21//8/2	0.0299
13			21//13	0.0415
14			21//17	0.0380
कुल				**0.4227**
1			37//19	0.0439
2			37//12	0.0335
3			37//22	0.0437
4			11//20	0.0536
5			11//21	0.0331
6			37//1	0.0483
7			37//10	0.0364
8			41//3	0.0184
9	समालखा	झटीपुर	41//8/2	0.0137
10			41//8/1	0.0010
11			272	0.1347
12			66//6	0.0001
13			66//15	0.0043
14			66//16	0.0043
15			91	0.0047
16			126	0.0095
17			90	0.0009
कुल				**0.4842**
1			36//11	0.0014
2			36//20	0.0129
3			41//23	0.0444
4			41//12/1	0.0086
5			41//19/1	0.0117
6			41//19/2	0.0300
7			41//12/2	0.0141
8			41//9	0.0255
9			41//1	0.0208
10	समालखा	दिवाना	36//21	0.0192
11			91	0.0138
12			56//3	0.0444
13			56//14	0.0448
14			56//8	0.0446
15			56//17	0.0450
16			56//24	0.0453
17			59//5	0.0453
18			59//6	0.0457
19			59//15	0.0299
20			58//11	0.0044
कुल				**0.5517**
1			173//5	0.0675
2	समालखा	सिवाह	166//25	0.0504
3			166//17	0.0401
4			166//14	0.0189
कुल				**0.1769**
1			51//4	0.0034
2			51//7	0.0283
3			51//14/1	0.0121
4			51//14/2	0.0072
5			51//17	0.0608
6			51//24/2	0.0597
7			51//24/1	0.0078
8			74//4	0.1064
9	समालखा	काबडी	74//7/2	0.0043
10			74//7/1	0.0346
11			74//8/2	0.0547
12			74//14/2	0.0426
13			74//13	0.1167
14			74//18	0.0440
15			74//8/1	0.0185
16			741	0.1035
17			122	0.0134
कुल				**0.7181**
1			1//25	0.0550
2	समालखा	सराय बछडा	5//6	0.0361
3			5//15	0.0047
4			5//5	0.0549
कुल				**0.1507**
1			106	0.0403
2	समालखा	निजामपुर	105	0.0665
3			104	0.0679
4			103	0.0261
कुल				**0.2008**
1			119	0.2090
2			120	0.0518
3			122	0.0170
4	समालखा	तरफ ईसार	123	0.1210
5			144	0.0904
6			147	0.0349
7			148	0.0110
कुल				**0.5351**

[फा.सं. 190-W/Land/TKJ/DLI-UMB]

3418/2026 शैलेश कुमार मिश्रा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण

रजिस्ट्री संख्या डी. एल.–33004/99 Regd. No.: DL-33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.–डी.एल.–अ.–22092026–276401
CG-DL-E-22092026-276401
असाधारण
EXTRAORDINARY,
भाग-II, खण्ड 3-उप खण्ड (ii)
PART II, Section 3 - Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4998] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 22, 2026/भाद्र 31, 1948
No.4998] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 22, 2026/BHADRA 31, 1948

रेल मंत्रालय
[उत्तर रेलवे (निर्माण संगठन)] अधिसूचना
नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 2026

का.आ. 5204(अ).– केन्द्रीय सरकार, रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात कि लोक प्रयोजन के लिए, ऐसी भूमि का, जिसका संक्षिप्त विवरण इससे उपाबद्ध अनुसूची में दिया गया है, हरियाणा राज्य के अंबाला जिले में विशेष रेल परियोजना, अर्थात, **''दिल्ली–पानीपत–अंबाला (198 कि0मी0) के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना''** के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती है;

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिन की अवधि के भीतर, उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन उपरोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन और उपयोग के संबंध में आक्षेप कर सकेगा;

प्रत्येक ऐसा आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् जिला राजस्व अधिकारी, अंबाला को लिखित में किया जाएगा और उसमें उसके आधार उपवर्णित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आक्षेपकर्ता को या तो व्यक्तिगत रूप से या विधिव्यसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और सभी ऐसे आक्षेपों की सुनवाई करने, तथा ऐसी और जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा, या तो आक्षेपों को अनुज्ञात या अननुज्ञात कर सकेगा;

उक्त अधिनियम की धारा 20घ उप–धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई आदेश अंतिम होगा;

इस अधिसूचना के अधीन आनेवाली भूमि का रेखांकन और अन्य ब्योरे उपलब्ध हैं और उनका हितबद्ध व्यक्ति द्वारा सक्षम प्राधिकारी के उपयुक्त कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

अनूसूची

हरियाणा राज्य के जिला अंबाला में विशेष रेल परियोजना, अर्थात, **''दिल्ली–पानीपत–अंबाला (198 कि0मी0) के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना''** का निर्माण करने के लिए अधिग्रहण की जाने वाली भूमि का अवसंरचना सहित या उसके रहित संक्षिप्त विवरण।

क्र0 सं0	तहसील	ग्राम	खसरा संख्या	अर्जन हेतु रकबा (हे0 में)
1			65//16	0.0014
2			65//25	0.0143
3			77//5	0.0234
4	अंबाला छावनी	मोहरा	77//6	0.0266
5			77//15	0.0300
6			77//17	0.0165
7			77//16	0.0097
8			77//24	0.0274
9			85//4	0.0281
10			85//7	0.0071
कुल				**0.1846**
1			18//1	0.0686
2			18//10	0.1487
3			18//11/2/1	0.1019
4			18//11/2/2	0.0457
5			18//20/1/1	0.0192
6			18//20/1/2	0.0192
7	अंबाला छावनी	शाहपुर	18//19/2	0.0633
8			18//19/1/1	0.0815
9			18//19/1/2	0.0815
10			18//22	0.0744
11			163	0.0229
12			28//2	0.0694
कुल				**0.7963**
1	अंबाला छावनी	नन्हेडा	23//1	0.0042
2			20//21	0.0171
कुल				**0.0213**

3412-2026 [फा. सं. 190-W/Land/TKJ/DLI-UMB]

शैलेश कुमार मिश्रा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण

संपादकीय

औद्योगिक उत्पादन में उछाल, मगर विकास की तस्वीर अब भी असंतुलित

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की ताजा उपलब्धि के तहत विनिर्माण क्षेत्र में नौ फीसद और बिजली एवं गैस आपूर्ति के क्षेत्र में 12.3 फीसद का ठोस इजाफा हुआ है। इसमें कोई दोराय नहीं कि पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे हालात का असर बहुत सारे देशों के साथ-साथ भारत पर भी पड़ा है और इसी वजह से अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई। खासतौर पर पिछले कुछ महीने से औद्योगिक उत्पादन के मामले में जिस तरह की चुनौतियां खड़ी हुईं, वे दरअसल युद्ध से उपजे संकट और उसकी आंच आम लोगों की जिंदगी तक पहुंचने का नतीजा हैं। ऐसे में अगर भारत में औद्योगिक उत्पादन दर में खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, तो यह निश्चित रूप से प्रतिकूल परिस्थितियों में हासिल की गई उपलब्धि है, लेकिन यह देखने की जरूरत होगी कि क्या यह वृद्धि सभी क्षेत्रों के लिहाज से समान है या फिर कुछ खास मामलों तक सीमित है।गौरतलब है कि इस वर्ष अगस्त में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक यानी आइआइपी में आठ फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दरअसल, विनिर्माण क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन और बिजली एवं गैस आपूर्ति में मजबूत वृद्धि के दम पर औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े में यह उछाल आया है। जबकि जुलाई में यह आंकड़ा 7.4 फीसद का था।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की ताजा उपलब्धि के तहत विनिर्माण क्षेत्र में नौ फीसद और बिजली एवं गैस आपूर्ति के क्षेत्र में 12.3 फीसद का ठोस इजाफा हुआ है। यह नई शृंखला के तहत जारी आइआइपी का पांचवां मासिक आंकड़ा है। पिछले साल अगस्त महीने में सूचकांक में वृद्धि का यही आंकड़ा 4.7 फीसद था। तुलनात्मक कसौटी पर देखें, तो साल भर पहले के मुकाबले इस बार आइआइपी में एक अहम उपलब्धि दर्ज की गई है। इसके पीछे त्योहारी मौसम में मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद हो सकती है।मगर इसके समांतर यह भी सच्चाई है कि जिस अवधि में औद्योगिक उत्पादन के मामले में बढ़ोतरी का आंकड़ा आठ फीसद तक पहुंच गया, उसी दौरान खनन एवं संबद्ध क्षेत्र में 5.6 फीसद की गिरावट आई। बीते वर्ष इसी अवधि में खनन क्षेत्र में 15.8 फीसद की वृद्धि हुई थी।

प्रधानमंत्री लगातार कर रहे हैं विदेशी मुद्रा बचाने की अपील

(प्रह्लाद सबनानी)

माननीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूंकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव डाल सकती है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक बार पुनः भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक नहीं हो तो सोना नहीं खरींदे अथवा कम मात्रा में खरीदें। साथ ही आपने यह भी अपील की है कि विदेशी पर्यटन को टालने का प्रयास करें एवं विदेश में जाकर शादी ब्याह के कार्यक्रम नहीं करें। यह समय की मांग है कि भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा को बचाने के उद्देश्य से स्वदेशी मंत्र को अपनायें।

माननीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूंकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव डाल सकती है। इस कठिन दौर में भारत को बहुत संभल कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। रूस यूक्रेन युद्ध लम्बे समय से लगातार चल रहा है, इजरायल हमास युद्ध जारी ही था कि अमेरिका ईरान के बीच युद्ध छिड़ गया। उधर, अमेरिका में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की तलवार लगातार लटक रही है। वैश्विक स्तर पर इन विपरीत परिस्थितियों के बीच कई देशों के विदेशी व्यापार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसमें भारत भी शामिल है, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अन्य देशों से आयात करता है। इसी प्रकार, भारत देश में स्वर्ण की कुल मांग का भी 90 प्रतिशत से अधिक भाग आयात करता है। विशेष रूप से, अमेरिका ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बाद स्ट्रेट ओफ होर्मुज से कच्चे तेल की आपूर्ति लगभग ठप्प पड़ गई है। भारत में होने वाले कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत द्वारा 7,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह 32 प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्यथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्भाला गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक नीचे आने लगेगी।

दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं ब्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड यील्ड भी लगातार बढ़ रही है। आज, विभिन्न देशों में बांड यील्ड पिछले कई वर्षों के उच्च स्तर पर आ गई है। जैसे, अमेरिका में 10 वर्षीय बांड यील्ड 4.80 प्रतिशत के उच्च स्तर से भी ऊपर पहुंच गई है, ब्रिटेन में 5.25 प्रतिशत (पिछले 18 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), फ्रान्स में 4.24 प्रतिशत (पिछले 17 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), जर्मनी में 3.37 प्रतिशत (पिछले 15 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), जापान में 2.99 प्रतिशत जहां पर शून्य प्रतिशत हुआ करती थी (पिछले 30 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), कनाडा में 3.75 प्रतिशत, ब्राजील में 14.56 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 5.23 प्रतिशत, सिंगापुर में 2.40 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया में 4.41 प्रतिशत एवं भारत में 6.98 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। यदि विकसित देशों में यदि मुद्रा स्फीति की दर और अधिक बढ़ती है तो इसे नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज की दरों को बढ़ाया जा सकता है इससे इन देशों में बांड यील्ड और अधिक बढ़ेंगी, जिसके चलते भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी मुद्रा में किए गए निवेश की निकासी होगी और यह राशि विकसित देशों में हस्तांतरित होगी क्योंकि इन देशों में बांड यील्ड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत से भी विदेशी मुद्रा निवेश की निकासी प्रारम्भ होती है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए के मूल्य में तेज गिरावट दृष्टिगोचर होगी जिससे भारत में आयात और अधिक महंगे होने लगेंगे, इस प्रकार भारत में आयातित मंहगाई की अतिरिक्त मार पड़ेगी। इस बढ़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए भारत को भी मजबूर होकर ब्याज दरों में वृद्धि करना होगी। ब्याज दरों में वृद्धि का विपरीत प्रभाव देश की सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि पर भी पड़ता है, इससे सरकारों को अपने बजट में से और अधिक राशि के भुगतान का प्रावधान ब्याज के रूप में करना होता है और अपने पूंजीगत खर्चों एवं जनता की भलाई के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर पर खर्च की जाने वाली राशि में कटौती करनी होती है। लम्बे समय तक चलने वाले अधिक ब्याज दर के साइकल से देश में मंदी की आशंका भी बढ़ती है। विकसित देश आज इस समस्या से झूझते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत को इस दबाव से बचाने की आवश्यकता है।

तीसरे, भारत के पास आज 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है। जापान के पास 1.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं चीन के पास 3.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारत अपने विदेशी मुद्रा भंडार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाना चाहता है क्योंकि इससे भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाया जा सकेगा। यह तभी सम्भव हो सकेगा, जब भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा का सोच समझकर उपयोग करें। स्वर्ण की खरीद से, विदेश में पर्यटन करने से एवं विदेश में शादियों के कार्यक्रम आयोजित करने से विदेशी मुद्रा का खर्च बढ़ता है जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार कम होते हैं।

चौथे, भारतीय नागरिकों में स्वर्ण के प्रति आकर्षण कुछ अधिक मात्रा में ही है। यह सही है कि स्वर्ण भविष्य में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता हुआ दिखाई देता है परंतु देश के विकास की दृष्टि से यह सुप्त मुद्रा के रूप में ही देखा जाता है। स्वर्ण में किए गए निवेश पर किसी भी प्रकार की आय का अर्जन नहीं होता है क्योंकि स्वर्ण में निवेश की गई राशि उत्पादक निवेश की श्रेणी में नहीं गिनी जाती है। एक अनुमान के अनुसार भारतीय परिवारों के पास लगभग 25,000 टन से अधिक का स्वर्ण भंडार मौजूद है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 125 प्रतिशत है। इतनी भारी भरकम राशि का निवेश निष्क्रिय एवं अनुत्पादक अस्तियों में होने के चलते लाखों करोड़ रुपए की राशि पर किसी प्रकार की आय का अर्जन नहीं हो रहा है। यदि इसी निवेश को उत्पादक कार्यों में लगाया जाय तो देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक गतिशील एवं प्रभावशाली बनाया जा सकता है। अतः भारत में यह लगातार प्रयास किया जा रहा है कि निवेश को अनुत्पादक अस्तियों में घटा कर उत्पादक अस्तियों में लगाया जाय।

अतः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उक्त वर्णित विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत के प्रधानमंत्री, भारतीय नागरिकों से उक्त तीन आग्रह लगातार कर रहे हैं ताकि भारत की आर्थिक विकास दर को अक्षुण बनाए रखा जा सके, भारत में किए गए विदेशी मुद्रा के निवेश को भारत से बाहर निकलने से रोका जा सके एवं भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को और अधिक मजबूत बनाया जा सके ताकि भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में आने वाली किसी भी परेशानी से बचाया जा सके। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक्है)।

झूठ के लिबास में जिंदगी, दिखावे की दौड़ में खोता अपना सच

(सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त')

हम सब उस शहर के किराएदार हैं, जहां मकान-मालिक का नाम 'लोग क्या कहेंगे' है। सुबह आंख खुलते ही अलार्म से पहले जो चीज हम देखते हैं, वह हमारा अपना चेहरा नहीं, बल्कि उस शीशे पर जमी धूल है, जो दुनिया ने हमें थमा दी है। इंस्टाग्राम की स्क्रीन पर अंगुलियां घिसते-घिसते हमने अपनी जिंदगी को कॉफी की एक ऐसी दुकान बना दिया है, जहां कॉफी ठंडी हो चुकी होती है, मगर उसका कोण सही होना चाहिए।

अक्सर हम उस अजीब-सी उदासी का जिक्र करते हैं, जो रात को दो बजे, पंखे की चरमराहट सुनते हुए सीने पर बैठ जाती है। हम सब उसी उदासी के मारे हुए लोग हैं। हमने जिंदगी को 'जीने' के बजाय 'दिखाने' की एक ऐसी होड़ में झोंक दिया है, जहां जीतने वाले को सिर्फ तालियों का शोर मिलता है, किसी अपने की गर्माहट नहीं। बशीर बद्र साहब ने कभी इसी खोखलेपन पर लिखा था- 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिंदा न हों।'

दिल्ली में कनाट प्लेस के किसी महंगे रेस्तरां में, जहां एक कप कॉफी के पैसे में घर का हफ्ते भर का राशन आ सकता है, दो लोग आमने-सामने बैठे होते हैं। उनके सामने दो खामोशियां बैठी होती हैं और होते हैं चमकदार मोबाइल फोन। बैरा जब कुछ खाने की थाली सामने रखता है, तो पहले उनके मुंह में लार नहीं आती, फोन का कैमरा खुलता है। खाने का स्वाद जीभ से होकर रूह तक जाने से पहले इंटरनेट के सर्वरों तक पहुंचता है।

हम अपनी सबसे सच्ची कहानियां कब बयां करते हैं? जब कोई देखने वाला नहीं होता। यानी तब, जब किसी छोटी-सी बालकनी में आधी बुझी उम्मीदें कांपती हैं, या जब रसोई के सिंक में जूठे बर्तन धोते हुए नल की धार के साथ आंख से एक कतरा गाल पर फिसल जाता है। वह रोना सच्चा होता है, लेकिन उसकी कोई कहानी नहीं बनती। दिखावे के इस बाजार में हर आंसू की कीमत तभी है, जब उसके पीछे कोई पार्श्व संगीत चल रहा हो। हम किस्तों पर लिए गए सोफे पर बैठकर उन दोस्तों के 'स्टेटस' देखते हैं, जिन्हें हम मन ही मन नापसंद करते हैं, फिर भी एक लाल दिल वाली प्रतिक्रिया छोड़ देते हैं, ताकि हमारा दायरा 'सभ्य' दिखे।

यह दिखावा सिर्फ गैजेट, कपड़ों और घूमने-फिरने तक महदूद नहीं रहा। इसने हमारी पीड़ा और रिश्तों को भी अपनी मंडी में सजा दिया है। एक तस्वीर है कि गांव से मां का फोन आया। आवाज में वही पुरानी खांसी और वही ठहरा हुआ सवाल, कि लल्ला, घर कब आएगा? हमने स्क्रीन देखते हुए कह दिया कि मां, इस हफ्ते बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है, इस बार वक्त नहीं है। मगर उसी रात हम किसी महंगे रेस्तरां या बार में तीस हजार का बिल चुका रहे होते हैं और उसे दुनिया को दिखाते हुए सोशल मीडिया पर टिप्पणी लिख रहे होते हैं।

मां के वे हाथ, जो जाड़े में फटी बिवाइयों पर सरसों का तेल लगाकर हमारे लिए पराठे सेंकते थे, आज उस चमकते हुए स्क्रीन के आगे हार गए। हमने मां की बेबसी को 'निजता' का नाम दे दिया और अजनबियों की वाहवाही को 'कामयाबी'। किसी शायर ने कितनी बेदर्दी से यह सच बयां किया था- 'बनाकर फकीरों का हम भेस गालिब, तमाशा-ए-अहले-करम देखते हैं।' फर्क सिर्फ इतना है कि गालिब तमाशा देखने के लिए फकीर बने थे, और हम तमाशा बनने के लिए अमीरी का लिबास ओढ़े फिरते हैं, जबकि भीतर से उस बूढ़ी मां के आशीर्वाद के लिए भी कंगाल हो चुके हैं।

आत्मा का यह खोखलापन उस खंडहर जैसी आवाज करता है, जिसमें कोई परिंदा भी फड़फड़ाए तो दिल दहल जाता है। सच यह है कि हम सच की खुरदुरी जमीन छोड़कर झूठ के मखमली गद्दे पर सो रहे हैं, जहां नींद नहीं आती, सिर्फ एक नशा होता है। हम हर उस चीज के गुलाम हैं, जिसकी हमें जरूरत नहीं है। सिर्फ इसलिए कि उस इंसान को नीचा दिखा सकें, जिसे हम पसंद नहीं करते। हमने वे घर खरीदे जहां धूप नहीं आती, मगर बालकनी से शहर का 'स्काईलाइन' दिखता है। हमने वे गाड़ियां लीं, जिनकी किस्तों ने हमारे सीने का चैन छीन लिया, ताकि जब हम किसी चौराहे की लालबत्ती पर रुकें, तो बगल में खड़ा तिपहिया वाला हमारी तरफ हसरत से देखे। उस तिपहिया वाले को क्या पता कि उस शीशे के भीतर एसी की ठंडक में बैठा इंसान अवसाद की गोलियां पानी के बिना गटक रहा है, ताकि उसका दम न घुट जाए। हम जिंदा लाशों का वह काफिला हैं, जो सिर्फ इसलिए तेज चल रहा है, ताकि पीछे वालों को लगे कि हम मंजिल के करीब हैं।

रात जब गहराती है और स्मार्टफोन शांत हो जाते हैं, तब जो खामोशी कमरे में उतरती है, वही हमारा असली वजूद है। उस सन्नाटे में अपना हाथ अपने सीने पर रखने और धड़कन को महसूस करने की जरूरत है। वह धड़कन हमसे पूछती है कि इस पूरी अंधी दौड़ में तुम किसे हराने निकले थे और किसे गंवा बैठे!

जब मौत का फरिश्ता या जिंदगी का आखिरी पहर आएगा, तो दुनिया के किसी फॉलोअर की संख्या काम नहीं आएगी, न ही वह महंगे ब्रांड की घड़ी उस वक्त के एक सेकंड को बढ़ा पाएगी। उस वक्त सिर्फ यह याद आएगा कि जब हंसना था, तब हम कैमरे के लिए मुस्कुरा रहे थे, जब गले लगना था, तब हम हवाईअड्डा जा रहे थे और जब जीना था, तब हम सिर्फ सबूत जुटा रहे थे कि हम जी रहे हैं।

उस आखिरी हिचकी से पहले अगर आंखों से वह पानी न गिरे, जो इस सारे ढोंग को धो दे, तो समझ लेना चाहिए कि हम बिना मरे ही कब्र में उतर गए थे।

वर्ग पहेली 6230

1	2		■	3	■	4	
5		■	6		7		■
■	8	9				■	10
11			■	12		13	
14		■	15		■	16	
	■	■		■	17		■
18	19	20	■		■	22	23
■	24				■	25	

संकेतः बाएं से दाएं

1. यह वेस्टइंडीज के ग्रेटर एण्टीलीज समूह का एक द्वीप है जिसकी राजधानी किंगस्टन है (3)
4. पुराणानसुार यह राजा ययाति का पुत्र था, दिवंगत अभिनेता राजकुमार का अभिनेता पुत्र (2)
5. मालिका, फूलों का हार (2)
6. जिसकी सभी सतह समान हों, हमवार (4)
8. चितवन चंचल करना, नेत्र मुद्रा करना, आंख मटकाना (5)
11. अनश्वर, अविचल (3)
12. शोभा, सजधज, कढ़ाई काम (4)
14. पुराणानुसार सात पातालों में से पहला, पेंदा, नीचे की सतह (2)
15. गौरव, दृढ प्रतिज्ञा (2)
16. नियम, कानून-कायदे (अंग्रेजी)(2)
17. प्रभाव, लक्षण (2)
18. अस्तित्व, मोजदूगी, विद्यमानता (3)
22. ग्राम, देहात, खेड़ा (2)
24. भय या शर्म के कारण कांप उठना (4)
25. धैर्य, धीरज, स्थित चित्त (2)

ऊपर से नीचे

1. एकत्रित, संग्रहित, इकटठा किया हुआ (2)
2. फणीश्वर नाथ रेणु की इस सुप्रसिद्ध उपन्यास का प्रथम प्रकाशन 1954 में हुआ था (3)
3. कमल पर विराजित होने के कारण ब्रह्मा का एक नाम यह भी है (5)
4. ब्रिज, सेतु (2)
6. सत्य, हकीकत, यथार्थ, असलीयत (2)
7. कलह, वैमनस्य (3)
9. अकल्याणकारी, अहितकारी, दुर्जन (2)
10. जिसे टाला न जा सकें, स्थायी (3)
11. इसलिए, इस कारण, इस निमित्त (4)
13. ये भारतीय संसद के निम्न सदन लोसकभा सुल्तानपुर के सदस्य है (5)
15. किसी वस्तु को पाने की आकांक्षा (2)
19. कार्य या शक्ति का मात्रक (2)
20. भाव, मूल्य, निर्ख, दहलीज (2)
21. इनामल, मद्य कुंभ (2)
23. देवता आदि से मांगा हुआ मनोरथ (2)

वर्ग पहेली 6229 का हल

बो	लि	वि	या	■	प	ला	ऊ
ल	■	का	म	■	स	मा	न
ती	त	र	■	कु	ली	■	■
बं	क	■	गु	रू	■	ग	प
द	री	■	म	रा	ठी	■	ह
क	र	वा	■	ज	क	ड़	ना
र	■	र	फू	■	आ	■	वा
ना	च	ना	■	म	ना	ली	■

मोबाइल से दोस्ती, सेहत से दूरी- सुविधाओं के बीच क्यों बीमार पड़ रहा है आधुनिक इंसान?

(अमन सिंह गौर)

सुविधाएं बढ़ने से शारीरिक श्रम घटा है और स्क्रीन टाइम व असंतुलित खान-पान से स्वास्थ्य गिर रहा है। बीमारियों से बचने के लिए दवा नहीं, बल्कि संयमित दिनचर्या, पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम जरूरी है।आज का मनुष्य सुख-सुविधाओं से संपन्न है, लेकिन स्वास्थ्य के विषय में निरा निर्धन होता जा रहा है। विज्ञान ने जीवन को सरल बनाया, श्रम घटाया, समय बचाया और सुविधा के नाना साधन जुटा दिए, लेकिन बचा हुआ समय शरीर को देने के बजाय मोबाइल और मनोरंजन की भेंट चढ़ जा रहा है। रोगों से बचने के लिए औषधियां खोजी जा रही हैं, पर रोगों को न्योता देने वाली जीवनचर्या बदलने को मनुष्य तैयार नहीं। सुविधा बढ़ी है, पर स्फूर्ति घटती जा रही है।

स्वस्थ शरीर के लिए श्रम, संयम, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या आवश्यक हैं। पहले पैदल चलना जीवन का स्वाभाविक हिस्सा था। आज थोड़ी दूरी के लिए वाहन और दो मंजिल चढ़ने के लिए लिफ्ट चाहिए। साइकिल, जो कभी आवागमन और व्यायाम दोनों का साधन थी, अनेक घरों में कोने में पड़ी धूल फांक रही है या घर में है ही नहीं।

शरीर को श्रम न मिले तो उसकी शक्ति क्षीण होना स्वाभाविक है। खेत में हल न चले तो भूमि बंजर हो जाती है, वैसे ही देह को गति न मिले, तो उसमें जड़ता घर करने लगती है। दिनभर कुर्सी पर बैठे रहना, घर लौटकर सोफे में धंस जाना और फिर मोबाइल में डूबे रहना सामान्य हो गया है। व्यायाम के लिए समय नहीं, लेकिन घंटों स्क्रीन के लिए समय ही समय है। योग, प्राणायाम और ध्यान भी कहीं-कहीं साधना कम, प्रदर्शन अधिक बनते जा रहे हैं। नींद के साथ भी मनुष्य ने खिलवाड़ आरंभ कर दिया है।

देर रात तक मोबाइल और प्रातः देर तक बिस्तर आधुनिक दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। रात में आंखें मोबाइल पर लगी रहती हैं और सुबह उठते ही हाथ मोबाइल खोजता है। शरीर विश्राम मांगता है और मनुष्य उसे मनोरंजन देता रहता है। फिर दिनभर थकान और अन्यमनस्कता बनी रहे तो आश्चर्य कैसा?

आहार-विहार में आया परिवर्तन इससे भी अधिक चिंताजनक है। मनुष्य अपनी चटोरी जिह्वा के अधीन इस कदर हो गया है कि भूख पीछे छूट गई और स्वाद आगे आ गया। नमक, मिर्च, मसाला, तेल, घी और शक्कर से भोजन को इतना चटपटा बना दिया गया है कि सादा भोजन फीका लगने लगा है। जिह्वा को हर समय नया स्वाद चाहिए और पेट बेचारा उसका भार ढोता रहता है। बफे प्रणाली ने इस प्रवृत्ति को और हवा दी है। सामने व्यंजनों की लंबी कतार हो, तो आवश्यकता पीछे और लालच आगे हो जाता है। जितना खाना हो उससे अधिक थाली में भर लिया जाता है। भोजन आवश्यकता न रहकर जैसे प्रतियोगिता बन जाता है।

हमारी थाली भी अपना स्वरूप बदल रही है। साग-सब्जी, दाल, सलाद, फल और साबुत अनाज का स्थान घट रहा है, जबकि मैदा, तली-भुनी वस्तुएं, नमक और शक्कर बढ़ रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज सुख और आनंद बना रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन में सुख और आनंद का संयोग बनेगा। दोस्तों और परिवार के साथ यात्रा की योजना बन सकती है। काम के साथ आपको मनोरंजक समय बिताने का भी मौका मिलेगा।

वृष
आज कला की ओर रुझान बढ़ेगा। अगर आप दोस्तों और परिजनों से सहयोग मांगेंगे तो आपको आसानी से मिल जाएगा। कला के क्षेत्र में आपका रुझान बढेगा। लेकिन सेहत के प्रति आपको अपना ध्यान देना होगा। जिन जातकों को शुगर की समस्या है उनको दिनचर्या और खानपान का विशेष रूप से ध्यान रखना होगा।

तुला
आज,कला और रचनात्मकता का फायदा मिलेगा। दिन मानसिक उलझन को बढाने वाला रहेगा। पारिवारिक जीवन में प्रेम और आपसी सामंजस्य भी बना रहेगा। महिला जातकों को अपनी सेहत का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। आर्थिक लेनदेन में लोगों पर अधिक भरोसा करने से बचें।

वृश्चिक
आज,कार्यक्षेत्र में आपको प्रोत्साहन मिल सकता है। दिन आर्थिक रुप लाभदायक रहेगा। कामकाज में तेजी बनी रहेगी। दोस्तों और सहकर्मियों से आपको सहयोग भी मिलेगा। साझेदारी के काम में आपको फायदा मिलेगा।

मिथुन
आज पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। दिन पारिवारिक जीवन के मामले में सुखद रहेगा। आपको किसी सगे संबंधी अथवा मित्र की मदद दे लिए आगे आना पड़ सकता है। घरेलू जरूरतों पर आपको धन खर्च करना होगा। नौकरी मे आपके ऊपर काम का अधिक दबाव रहेगा।

कर्क
आजआर्थिक मामलों में किए गए प्रयास में सफलता पाएंगे। आज आप आर्थिक मामलों में किए गए प्रयास में सफलता प्राप्त करेंगे। पारिवारिक क्षेत्र में आपको मान सम्मान मिलेगा। वैवाहिक जीवन में आपसी तालमेल रहने से आपका मनोबल बढेगा।

धनु
आज,छोटी-छोटी बातों पर क्रोध आ सकता है। दिन मानसिक उलझन भरा रह सकता है। चंद्रमा का गोचर छठे भाव में होने से मन आपका किसी न किसी बात को लेकर खिन्न हो सकता है। आपके मन में कुछ नकारात्मक भाव भी आएगा।

मकर
आज,आपको कोई प्रसन्नतादायक सूचना मिलेगी। आपको लाभ और उन्नति का मौका मिलता रहेगा। करियर और कार्यक्षेत्र में आपको प्रगति का अवसर मिलेगा। कामकाज के साथ आपको मनोरंजक समय बिताने का भी मौका मिलेगा। आपको कोई प्रसन्नतादायक सूचना भी मिलेगी।

सिंह
आज आपको भाग्य का सपोर्ट मिलेगा। दिन प्रभाव और सामाजिक सम्मान बढाने वाला रहेगा। चतुर वाणी और कूटनीति से आप अपना काम निकलवाने में सफल रहेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपको भाग्य का सपोर्ट मिलेगा जिससे कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रख पाएंगे।

कन्या
आज, पुराने लेनदेन को निपटाने में आप सफल रहेंगे। आपके लिए लाभ और उन्नति का संयोग बनता दिख रहा है। आपको एक से अधिक स्रोत से फायदा मिलेगा। पुराने लेनदेन के भी निपटाने में आप सफल रहेंगे। नौकरी में आपका प्रभाव बना रहेगा, साथी सहकर्मियों से सहयोग पाएंगे।

कुंभ
आजअपेक्षित लाभ और सहयोग मिल पाएगा। आपको सुख सुविधा से जुड़ी हुई वस्तुओं की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नए अवसर भी प्राप्त होंगे। आपके सितारे बताते हैं कि परिवार के साथ यात्रा का संयोग बन सकता है। मामा और मौसी पक्ष से आपको अपेक्षित लाभ और सहयोग मिल पाएगा।

मीन
आज पूर्व में किए गए निवेश का फायदा मिल सकता है। आर्थिक मामले में आपको प्रयास का पूरा लाभ मिलेगा। पूर्व में किए गए निवेश का भी आपको फायदा मिल सकता है। पिता और पैतृक पक्ष से भी आपको फायदा मिलने का योग बना है। जबकि नौकरी और कार्यक्षेत्र में आपका दिन सामान्य बीतेगा।

जीएसटी कलेक्शन 14.7 प्रतिशत उछलकर 2.04 लाख करोड़, छह महीने में 12 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी कलेक्शन के सितंबर महीने के आंकड़े आ गए हैं। गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में कुल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स कलेक्शन 2,03,521 करोड़ रहा। यह पिछले साल इसी महीने की तुलना में 14.7 प्रतिशत ज्यादा है। इस फाइनेंशियल ईयर की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के लिए कुल कलेक्शन 12,46,278 करोड़ रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 11.6 प्रतिशत ज्यादा है। सितंबर में रिफंड में पिछले साल के मुकाबले 3 प्रतिशत की कमी आई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में हुए कलेक्शन में सीजीएसटी 37,762 करोड़ रुपये, जीएसटी 45,363 करोड़ रुपये और एस96 करोड़ रुपये रहा। कुल नेट रेवेन्यू सालाना आधार पर 18.1 प्रतिशत बढ़कर 1,76,520 करोड़ रुपये हो गया। भारत का ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू 10.1 प्रतिशत बढ़कर 1,25,334 करोड़ रुपये से 1,37,996 करोड़ रुपये हो गया।

महाराष्ट्र नंबर 1: बड़े राज्यों में महाराष्ट्र ने सितंबर में सबसे ज्यादा 29,986 करोड़ रुपये जीएसटी कलेक्शन दर्ज किया। यह एक साल पहले के 25,973 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। इसके बाद कर्नाटक का नंबर रहा, जहां कलेक्शन 16 फीसदी उछाल के साथ 13,884 करोड़ रुपये रहा । गुजरात का रेवेन्यू 17 प्रतिशत बढ़कर 12,222 करोड़ रुपये हो गया। उत्तर प्रदेश का रेवेन्यू सितंबर में 18 प्रतिशत बढ़कर 8,882 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह 7,516 करोड़ रुपये था। तेलंगाना में भी यह 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 5,327 करोड़ रुपये हो गया। पंजाब का रेवेन्यू 18 प्रतिशत बढ़कर 2,549 करोड़ रुपये रहा। असम में यह 88 प्रतिशत बढ़कर 2,415 करोड़ रुपये पहुंच गया। मणिपुर में 145 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कलेक्शन 92 करोड़ रुपये रहा जबकि अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में क्रमशः 46 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

संक्षिप्त समाचार

गिरते बाजार में रॉकेट बना कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में गिरावट के बीच देश के चौथे बड़े प्राइवेट बैंक कोटक महिंद्रा का शेयर करीब 4 प्रतिशत उछल गया। प्राइवेट सेक्टर के इस दिग्गज बैंक ने अनूप कुमार साहा को अपना अगला मैनेजिंग डायरेक्टर और नियुक्त करने की घोषणा की है। उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनका कार्यकाल 1 जनवरी, 2027 से शुरू होकर तीन साल रहेगा। साहा अभी कोटक महिंद्रा बैंक में होल-टाइम डायरेक्टर और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। वह अशोक वासवानी की जगह लेंगे। बैंक ने कहा कि बोर्ड नियुक्ति को औपचारिक रूप देने और शेयरधारकों की मंजूरी लेने के लिए आगे कदम उठाएगा। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कोटक अपनी ग्रोथ की रफ़्तार बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। बैंक ने ष्श्वह्न पद के लिए साहा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पारितोष कश्यप के नाम आरबीआई को भेजे थे। साहा जनवरी 2026 में कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े और मार्च में होल-टाइम डायरेक्टर नियुक्त किए गए। वे अभी बैंक के रिटेल बैंकिंग, सरकारी कारोबार, डेटा

एनालिटिक्स और मार्केटिंग कामकाज को संभालते हैं। साहा के पास 32 साल से ज्यादा का प्रोफेशनल अनुभव है। इसमें बैंकिंग और नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल सेवाओं में 25 साल का अनुभव शामिल है। उन्होंने खड़गपुर से इंजीनियरिंग में की डिग्री लेने के बाद लखनऊ से किया। साहा ने अपने करियर की शुरुआत से की। उन्होंने इस सरकारी कंपनी में 1991 से 1995 तक प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में काम किया। कुछ समय के लिए कंज्यूमर ड्यूरेबल सेल्स में भी रहे। बाद में उन्होंने 1999 से 2003 तक कैपिटल में काम किया। इस कंपनी में वह क्रेडिट कार्ड, सेल्स और एनालिटिक्स का काम देखते थे। साहा ने मई 2003 से जून 2017 के बीच आईसीआईसीआई बैंक में 14 साल बिताए।

सितंबर के जख्मों पर मरहम लगाएगा अक्टूबर, देख लीजिए शेयर बाजार के पिछले 10 साल के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में सितंबर में भारी बिकवाली देखने को मिली। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी 6 प्रतिशत लुढ़क गए। इसी तरह मिडकैप 150 में 6.6 प्रतिशत और स्मॉलकैप 250 इंडेक्स में 3.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह मार्च के बाद से सबसे बड़ी मासिक गिरावट है। मार्च में दोनों इंडेक्स 11 प्रतिशत तक गिर गए थे। अक्तूबर ऐतिहासिक रूप से शेयरों के लिए मजबूत महीना रहा है। फेस्टिव सीजन होने के कारण इस दौरान ऑटो, जूलरी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स पर ज्यादा खर्च की उम्मीद रहती है। आमतौर पर अक्टूबर

भारतीय शेयरों के लिए अच्छा महीना रहा है। पिछले 10 साल में सात बार निफ्टी 50 बढ़त के साथ बंद हुआ है। हालांकि, इस साल सितंबर में हुई भारी बिकवाली के बाद ज्यादा राहत की उम्मीद नहीं है। बाजार को कच्चे तेल की ऊंची कीमत, ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कमजोर रुपये जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इक्विरस सिक्योरिटीज के डायरेक्टर और ट्रेडिंग हेड तेजस शाह ने कहा, 'अक्टूबर में एक अहम परीक्षा होगी कि क्या सितंबर में आई गिरावट में जोखिमों को ठीक से शामिल कर लिया गया है या अभी और एडजस्टमेंट की जरूरत है।' इसी तरह सिक्योरिटीज में फंडामेंटल रिटेल रिसर्च के हेड सनी अग्रवाल ने कहा, 'ज्यादातर सेक्टर के लिए, फाइनेंशियल ईयर की दूसरी छमाही डिमांड और वॉल्यूम ग्रोथ के लिहाज से बेहतर होती है। शायद यही एक वजह है कि अक्टूबर ऐतिहासिक रूप से मजबूत महीना रहा है।'

टाटा ट्रस्ट्स के खिलाफ आई एक और चिट्ठी, टाटा संस के मामलों में 'दखल' पर उठे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा गुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के सबसे बड़े शेयरहोल्डर टाटा ट्रस्ट्स की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं। वेणु श्रीनिवासन के बाद टाटा ट्रस्ट्स के वाइस चेयरमैन और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी विजय सिंह ने भी महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर को एक पत्र लिखा है।

सोना गिरवी रख कर लोन लेने वालों की संख्या खूब बढ़ रही है, होम लोन से टक्कर ले रहा है

मुंबई, एजेंसी। इस साल अगस्त महीने में कुछ ऐसे संकेत मिले हैं, जिससे लगता है कि लोगों को लोन या क्रेडिट पर उधार मिलने में परेशानी हो रही है। तभी तो उन्हें लोन लेने के लिए घर का सोना गिरवी रखना पड़ रहा है। जी हां, आंकड़े कुछ ऐसा ही बता रहे हैं कि अब गोल्ड लोन का कुल अकाउंट होम लोन के कुल अकाउंट के बराबर पहुंचने वाला है। रिजर्व बैंक से पता चलता है कि बीते अगस्त महीने के दौरान कंज्यूमर डिमांड कोई खास नहीं बढ़ा है। इस दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की खरीदारी के लिए लिए जाने वाले लोन और क्रेडिट कार्ड आउटस्टैंडिंग में महज 2.4 प्रतिशत और 3.6 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी साल-दर-साल आधार पर दिखाया गया है। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच बैंक क्रेडिट लगभग 10.3 लाख करोड़ रुपये या 4.8 प्रतिशत बढ़कर 223.9 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी दौरान कुल क्रेडिट साल-दर-साल आधार पर 19.1 प्रतिशत बढ़ा। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती पांच महीनों में डिसक्रेशनरी कंज्यूमर क्रेडिट की वृद्धि धीमी रही। इसी दौरान सिक्योर्ड रिटेल लोन, कॉर्पोरेट क्रेडिट और उधार देने की मांग मजबूत रही। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार पहले पांच महीनों में गोल्ड लोन में 98,096 करोड़ रुपये जोड़े गए। यह अब होम लोन के आसपास पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान होम लोन अकाउंट में 98,858 करोड़ रुपये जोड़े गए। गोल्ड लोन का अकाउंट इसी तरह से बढ़ता गया तो यह जल्द ही होम लोन के कुल अकाउंट को पार कर जाएगा। बीते अगस्त महीने में क्रेडिट कार्ड आउटस्टैंडिंग करीब 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। लेकिन एफवाय27 के पहले पांच महीनों के दौरान इसमें केवल 4,740 करोड़ रुपये ही एड हुए। इस दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स खरीदने के लिए लिया गया लोन 23,295 करोड़ रुपये पर पहुंच गए। हालांकि इस दौरान इसमें सिर्फ 1,333 करोड़ रुपये ही जोड़े गए। इस दौरान व्हीकल लोन का ग्रोथ शानदार रहा। यह साल दर साल के आधार पर 19.7 प्रतिशत फीसदी की दर से बढ़ा और 7.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस साल अप्रैल से अगस्त के दौरान कुल 37,027 करोड़ रुपये के व्हीकल लोन लिए गए। रिटेल लोन लेने में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इस साल अगस्त तक 5.6 लाख करोड़ रुपये का लोन सोना गिरवी रख कर लिया जा चुका था। यह सलाना आधार पर 83.2 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। एक ही साल पहले यह लगभग 3 लाख करोड़ रुपये ही था। फिक्स्ड डिपॉजिट या एफडी पेपर को गिरवी रख कर लिया गया लोन भी सलाना आधार पर 43.2 प्रतिशत बढ़ा है। अब यह 2 लाख करोड़ रुपये का हो गया । इस दौरान इसमें 35,166 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। गोल्ड लोन पर कितना ब्याज लगता है आम लोगों के मन में सवाल उठता है कि गोल्ड लोन पर कितना ब्याज लगता है अपने देश में गोल्ड लोन एनबीएफसी से लेकर सभी सरकारी और प्राइवेट बैंक सोना गिरवी रख कर गोल्ड लोन देते हैं। जहां तक ब्याज दर की बात है तो इस पर आमतौर पर 9.00 प्रतिशत से 24 प्रतिशत प्रति वर्ष का ब्याज चार्ज किया जाता है।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में सचिव, सीएचबी के समक्ष।

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह** के नाम से **श्री एस.के. अग्निहोत्री पुत्र श्री आर.एल. अग्निहोत्री** के नाम में बिक्री विलेख के आधार पर **सेक्टर 45-सी**, चंडीगढ़ में श्रेणी- एमआईजी की ड्वेलिंग यूनिट सं. **2239-1** के संबंध में स्वामित्व अधिकार का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि **सेक्टर 45-सी**, चंडीगढ़ में श्रेणी- एमआईजी की ड्वेलिंग यूनिट सं. **2239-1** आवंटी/हस्तांतरी **श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह** के नाम में दर्ज है। अब, **श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह ने 22.10.2018** को उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के कार्यालय में पंजीकृत एवं निष्पादित बिक्री विलेख के तहत **श्री एस.के. अग्निहोत्री पुत्र श्री आर.एल. अग्निहोत्री** को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट बेच दी है। **श्री एस.के. अग्निहोत्री पुत्र श्री आर.एल. अग्निहोत्री** ने बिक्री विलेख के आधार पर अपने नाम में उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के हस्तांतरण हेतु इस कार्यालय में निवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में सचिव, सीएचबी के समक्ष।

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्रीमती हरजस गिल भुल्लर पुत्री स्व. श्री हरनेक सिंह गिल पत्नी श्री परमजीत सिंह भुल्लर** के नाम से **श्रीमती अमनिंदर कौर सिद्धू पुत्री स्व. श्री हरनेक सिंह गिल पत्नी श्री सतिंदर पाल सिंह** के नाम में हस्तांतरण विलेख के आधार पर सेक्टर 42-सी, चंडीगढ़ में श्रेणी- एचआईजी (एल), एसएफ-1 की ड्वेलिंग यूनिट सं. **2908 (ग्राउंड फ्लोर)** के संबंध में स्वामित्व अधिकार का हस्तांतरण/नामांत्रण।

(बहन से बहन)

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेक्टर 42-सी, चंडीगढ़ में श्रेणी- एचआईजी (एल), एसएफ-1 की ड्वेलिंग यूनिट सं. **2908 (ग्राउंड फ्लोर)** आवंटी/हस्तांतरी **श्रीमती हरजस गिल भुल्लर पुत्री स्व. श्री हरनेक सिंह गिल पत्नी श्री परमजीत सिंह भुल्लर** के नाम में दर्ज है। **श्रीमती अमनिंदर कौर सिद्धू पुत्री स्व. श्री हरनेक सिंह गिल पत्नी श्री सतिंदर पाल सिंह** द्वारा सूचित किया गया है, जिसने अपने नाम में हस्तांतरण विलेख के आधार पर उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के संबंध में स्वामित्व अधिकार के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है, जो **28.09.2026** को उप-रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के कार्यालय में निष्पादित एवं पंजीकृत की गई थी।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (आवंटन, प्रबंधन एवं टेनामेंट की बिक्री) विनियमनों 1979 के विनियमन के अंतर्गत उनके नामों में ड्वेलिंग यूनिट के उपहार/बिक्री/खरीद हेतु अनुमति के लिए आवेदन किया है :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरी)	आवंटी/हस्तांतरी का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरणकर्ता)	डी.यू. सं.	श्रेणी	सेक्टर
1.	(i) श्रीमती अंजलि रानी पत्नी श्री अमित कुमार (ii) श्री अमित कुमार पुत्र श्री देश राज	श्रीमती संगीता खोसला पत्नी श्री अवनीश कुमार खोसला (अवनीश खोसला)	2026-1	एचआईजी (एल)	47-सी, चंडीगढ़

यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के संबंध में बिक्री/खरीद हेतु कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति, यदि कोई हो, इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर लिखित में दस्तावेजी प्रमाण, यदि कोई हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दर्ज करें।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

रजिस्ट्री संख्या डी. एल.-33004/99 | Regd. No.: DL-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-25092026-276504
CG-DL-E-25092026-276504
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II, खण्ड 3-उप खण्ड (ii)
PART II, Section 3 - Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4977] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 21, 2026/भाद्र 30, 1948
No.4977] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 21, 2026/BHADRA 30, 1948

रेल मंत्रालय
[उत्तर रेलवे (निर्माण संगठन)] अधिसूचना
नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 2026

का.आ. 5183(अ).– केन्द्रीय सरकार, रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात कि लोक प्रयोजन के लिए, ऐसी भूमि का, जिसका संक्षिप्त विवरण इससे उपाबद्ध अनुसूची में दिया गया है, हरियाणा राज्य के करनाल जिले में विशेष रेल परियोजना, अर्थात, **"दिल्ली–पानीपत–अंबाला (198 कि०मी०) के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना"** के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती है;

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिन की अवधि के भीतर, उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन उपरोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन और उपयोग के संबंध में आक्षेप कर सकेगा;

प्रत्येक ऐसा आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् जिला राजस्व अधिकारी, करनाल को लिखित में किया जाएगा और उसमें उसके आधार उपवर्णित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आक्षेपकर्ता को या तो व्यक्तिगत रूप से या विधिव्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और सभी ऐसे आक्षेपों की सुनवाई करने, तथा ऐसी और जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा, या तो आक्षेपों को अनुज्ञात या अननुज्ञात कर सकेगा;

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उप-धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई आदेश अंतिम होगा;

इस अधिसूचना के अधीन आनेवाली भूमि का रेखांकन और अन्य ब्यौरे उपलब्ध हैं और उनका हितबद्ध व्यक्ति द्वारा सक्षम प्राधिकारी के उपयुक्त कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

अनुसूची

हरियाणा राज्य के जिला करनाल में विशेष रेल परियोजना, अर्थात, **"दिल्ली–पानीपत–अंबाला (198 कि०मी०) के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना"** का निर्माण करने के लिए अधिग्रहण की जाने वाली भूमि का अवसंरचना सहित या उसके रहित संक्षिप्त विवरण।

क्र० सं०	तहसील	ग्राम	खसरा संख्या	अर्जन हेतु रकबा (है० में)
1			328	0.5451
2			326	0.0136
3			325	0.3527
4			323	0.0855
5			320	0.0175
6			244	0.0684
7			245	0.0655
8			254	0.0115
9			243	0.0585
10			241	0.0923
11			240	0.0605
12			216	0.0624
13			215	0.0421
14			214	0.0333
15			213	0.1124
16			212/1	0.0301
17			212	0.0358
18			211	0.0644
19	करनाल	डिपो	203	0.0797
20			202	0.0902
21			193	0.0042
22			71	0.1839
23			70	0.1901
24			68	0.1481
25			66	0.0519
26			64	0.0971
27			63	0.0438
28			61	0.0049
29			58	0.0179
30			57	0.0200
31			ROAD_1	0.0009
32			48	0.0011
33			15	0.0019
34			13	0.0027
35			12	0.0113
36			11	0.0120
37			10	0.0245
38			ROAD_2	0.3688
			कुल	3.1066

[फा. सं. 190-W/Land/TKJ/DLI-UMB]
शैलेश कुमार मिश्रा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण

3413-2026

पढ़ाई के साथ जारी रखा बिजनेस, फिर ऐसा ट्विस्ट कि सालाना कमाई पहुंची 96 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है ईशा खैतान की। वह लुधियाना की रहने वाली हैं। उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई के साथ ही बिजनेस में कदम रख दिए थे। कड़ी मेहनत और फैशन डिजाइनिंग के हुनर से कुछ समय बाद ईशा ने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम 'कस्टम बाय ईशनम' है। यह ब्रांड आज कस्टमाइज्ड कपड़ों और बेहतरीन एम्ब्रायडरी के जरिए देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बना चुका है। इसका सालाना रेवेन्यू करीब 96 लाख रुपये तक पहुंच गया है।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

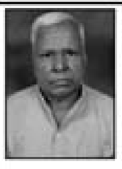

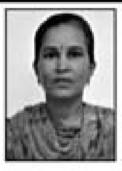

सार्वजनिक सूचना

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री रमेश चंद पुत्र श्री शहजादा राम** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर **(i) श्रीमती रीना रानी पुत्री स्व. श्री रमेश चंद पत्नी श्री कुलभूषण, (ii) श्रीमती शमा पुत्री स्व. श्री रमेश चंद कश्यप पत्नी श्री सुनील कुमार, (iii) श्री विक्रम कश्यप पुत्र स्व. श्री रमेश चंद** के नाम में सेक्टर 41-ए, चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की डीयू सं. **375-2** के आवंटन/पंजीकरण का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेक्टर 41-ए, चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की डीयू सं. 375-2 के स्वामी **श्री रमेश चंद पुत्र श्री शहजादा राम** की उनके कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा सूचित अनुसार 04.09.2025 को चंडीगढ़ में मृत्यु हो चुकी है। **(i) श्रीमती रीना रानी पुत्री स्व. श्री रमेश चंद पत्नी श्री कुलभूषण, (ii) श्रीमती शमा पुत्री स्व. श्री रमेश चंद कश्यप पत्नी श्री सुनील कुमार, (iii) श्री विक्रम कश्यप पुत्र स्व. श्री रमेश चंद** ने **श्री रमेश चंद पुत्र श्री शहजादा राम** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने नाम में 41-ए, चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की डीयू सं. 375-2 के स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है। उसके द्वारा आगे सूचित किया गया है कि कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी पीछे नहीं छोड़ा गया है।

यदि किसी व्यक्ति को ड्वेलिंग यूनिट में दावा/अधिकार/रूचि के संबंध में कोई आपत्ति हो, जो चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा **(i) श्रीमती रीना रानी (पुत्री) (ii) श्रीमती शमा (पुत्री) (iii) श्री विक्रम कश्यप (पुत्र)** के पक्ष में हस्तारित की जानी प्रस्तावित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के अंदर लिखित में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकता/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर उक्त ड्वेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त कथित दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

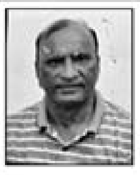

सार्वजनिक सूचना

विषयः पंजीकृत वसीयत के आधार पर आवंटी/हस्तांतरी **श्री अशोक कुमार बिश (BISH) (अशोक कुमार, अशोक बिश)** के नाम से **श्रीमती आशा रानी बिश (BISH) (आशा बिश, आशा रानी) पत्नी स्व. श्री अशोक कुमार बिश (BISH) (अशोक कुमार, अशोक बिश)** के नाम में **सेक्टर 41-ए, चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की डीयू सं.440** के संबंध में स्वामित्व के आवंटन/पंजीकरण का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि **श्रीमती आशा रानी बिश (BISH) (आशा बिश, आशा रानी) पत्नी स्व. श्री अशोक कुमार बिश (BISH) (अशोक कुमार, अशोक बिश)** ने आवंटी/हस्तांतरी **श्री अशोक कुमार बिश (BISH) (अशोक कुमार, अशोक बिश)**की मृत्यु के पश्चात अपने पक्ष में चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड को **सेक्टर 41-ए, चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की डीयू सं.440** के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है। **श्री अशोक कुमार बिश (BISH) (अशोक कुमार, अशोक बिश)** की **23.09.2023** को चंडीगढ़ में मृत्यु हो चुकी है और अपने पीछे एक वसीयत छोड़ी है, जो **पंजीकरण अधिनियम 1908 की धारा 40 के अंतर्गत 13.08.2024** को उप रजिस्ट्रार, **यूटी, चंडीगढ़** के पास पंजीकृत थी। उसके द्वारा आगे सूचित किया गया है कि यह वसीयत मृतक आवंटी/हस्तांतरी की उसके द्वारा निष्पादित अंतिम वसीयत है, जो न तो मृतक की मृत्यु तक बर्खास्त हो सकती है और न ही रद्द की जा सकती है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

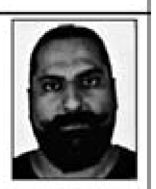

सार्वजनिक सूचना

विषयः सह-आवंटी/हस्तांतरी **श्रीमती शारदा बगई (BAGAI) पत्नी श्री दीपक बगई (BAGAI), पुत्री श्री अम्बा दत्त धांटा (DHANTA) (1/3 हिस्सा)** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर **(i) श्री दीपक बगई (BAGAI) पुत्र श्री प्रेम नारायण बगई (BAGAI) (1/3 हिस्सा), (ii) श्री ईशान बगई (BAGAI) पुत्र श्री दीपक बगई (BAGAI) (1/3 हिस्सा)** के नाम में **श्रेणी-I, एमएचसी मनीमाजरा, चंडीगढ़** की डीयू सं. **5426-2** के **1/3** हिस्से का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि **श्रेणी-I, एमएचसी मनीमाजरा, चंडीगढ़** की डीयू सं. **5426-2** के सह-आवंटी/हस्तांतरी **श्रीमती शारदा बगई (BAGAI) पत्नी श्री दीपक बगई (BAGAI), पुत्री श्री अम्बा दत्त धांटा (DHANTA) (1/3 हिस्सा)** की उनके कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा सूचित अनुसार **24.08.2026** को चंडीगढ़ में मृत्यु हो चुकी है। **(i) श्री दीपक बगई (BAGAI) पुत्र श्री प्रेम नारायण बगई (BAGAI) (1/3 हिस्सा), (ii) श्री ईशान बगई (BAGAI) पुत्र श्री दीपक बगई (BAGAI) (1/3 हिस्सा)** ने सह-आवंटी/हस्तांतरी **श्रीमती शारदा बगई (BAGAI) पत्नी श्री दीपक बगई (BAGAI), पुत्री श्री अम्बा दत्त धांटा (DHANTA) (1/3 हिस्सा)** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने नाम में **श्रेणी-I, एमएचसी मनीमाजरा, चंडीगढ़** की डीयू सं. **5426-2** के स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है। उसके द्वारा आगे सूचित किया गया है कि कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी पीछे नहीं छोड़ा गया है।

यदि किसी व्यक्ति को ड्वेलिंग यूनिट में दावा/अधिकार/रूचि के संबंध में कोई आपत्ति हो, जो चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा **(i) श्री दीपक बगई (BAGAI) (पत्नी) (ii) श्री ईशान बगई (BAGAI) (पुत्र)**के पक्ष में हस्तारित की जानी प्रस्तावित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के अंदर लिखित में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकता/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर उक्त ड्वेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त कथित दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

गुड़ की चाय रखेगी 3 खतरनाक बीमारियों को दूर

इस मौसम में शरीर को स्वस्थ रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन कुछ विशेष डाइट टिप्स अपनाकर हम फिट रह सकते हैं। गुड़ की चाय एक बेहतरीन ऑप्शन हो, जो न सिर्फ सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह शरीर को गर्म और ताजगी प्रदान करती है।

गुड़ से बनी चीजें विशेष रूप से फायदेमंद होती हैं। गुड़ शरीर को अंदर से गर्म रखता है और इसे विभिन्न रूपों में खाया जा सकता है। एक बेहद लाभकारी तरीका है गुड़ की चाय, जो सेहत के लिए कई फायदे प्रदान करती है। आइये गुड़ की चाय के फायदे और बनाने के तरीके के बारे में जानते हैं।

पेट की समस्याओं से निजात

गुड़ की चाय पाचन में सुधार करती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अगर आपको पाचन से संबंधित समस्याएं हैं, तो गुड़ की चाय एक प्राकृतिक उपाय हो सकती है। यह चाय रोजाना सुबह पीने से पेट की समस्याओं से निजात मिल सकती है।

इम्यून सिस्टम होगा मजबूत

गुड़ में कई आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जैसे कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, और विटामिन-बी। ये पोषक तत्व शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। शरीर को सही पोषण देने के लिए गुड़ की चाय एक बेहतरीन विकल्प है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव होता है।

गुड़ की चाय बनाने का तरीका

अगर आप इस चाय को रोजाना सुबह पीते हैं, तो आपकी सेहत को लंबे समय तक फायदा हो सकता है। गुड़ की चाय को तैयार करने के लिए आपको पानी, दूध, चाय पत्तियां, अदरक, हरी इलायची और गुड़ की आवश्यकता होगी। एक कप पानी में अदरक, इलायची और गुड़ डालकर उबालें, फिर इसमें चाय पत्तियां डालकर पकाएं। दूध डालकर उबालें और चाय तैयार करें।

सैकड़ों बीमारियों की दवा है शहद, गलत तरीके से खा रहे लोग

शहद, जब सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिन इसे गलत चीज़ों के साथ मिलाने या गलत तरीके से उपयोग करने से नुकसान हो सकता है।

शहद एक ऐसा फूड है जो तेसी होने के साथ-साथ सेहत को कई फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में शहद को एक शक्तिशाली फूड माना गया है जिसके कई औषधीय गुण भी हैं। शहद में नेचुरल शुगर होती है। शहद के पोषक तत्वों की बात करें, तो यह विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स, एंजाइम्स और अमीनो एसिड्स से भरा होता है। शहद खाने के फायदे अनगिनत हैं। इसके सेवन से इम्यूनिटी बढ़ती है, त्वचा में सुधार होता है, पाचन बेहतर बनता है, ऊर्जा देता है, वजन कंट्रोल रहता है, दिल को स्वस्थ करता है, दिल को स्वस्थ रखता है।

शहद खाने के यह फायदे आपको तभी मिल सकते हैं, जब आपका इसका सही तरीके से इस्तेमाल कर रहे हों। ध्यान रहे कि शहद को कुछ चीजों के साथ मिलाने से यह हानिकारक या विषाक्त हो सकता है, जिससे सेहत को कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं।

गर्म पानी में शहद मिलाना

अधिकतर लोग शहद को गर्म पानी के साथ मिलाकर पीते हैं। ध्यान रहे कि शहद को 140°F से अधिक गर्म करने पर हाइड्रॉक्सिमिथाइलफुरफुरल नामक विषाक्त पदार्थ उत्पन्न हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, गर्म करने पर शहद के गुण बदल जाते हैं, जिससे यह पचने में कठिन और हानिकारक हो सकता है। शहद को हमेशा हल्के गुनगुने पानी या ठंडे होने के बाद पेय में डालें।

शहद और घी बराबर मात्रा में लेना

आयुर्वेद के अनुसार, शहद और घी को समान मात्रा में मिलाना विषाक्त हो सकता है। शहद अमृत से बनता है, जबकि घी वसा है। शहद एक ठंडा करने वाला एजेंट है, जबकि घी गर्मी पैदा करता है। दोनों को मिलाने से क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नामक बैक्टीरिया निकलता है, जो विषाक्त पदार्थ पैदा करता है जिससे पेट दर्द, सांस की समस्या और यहां तक कि कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

शहद और किण्वित उत्पाद (जैसे शराब या खट्टा दही)

शहद और किण्वित चीजें जैसे खट्टा दही या शराब पाचन में असंतुलन और पेट की समस्याएं पैदा कर सकती हैं। शहद में नेचुरल शुगर होती है, जो इन उत्पादों के साथ मिलकर किण्वन को बढ़ा सकती है।

शहद और रिफाइंड शुगर

बहुत से लोग शहद और चीनी का एक साथ सेवन करते हैं। ध्यान रहे कि रिफाइंड शुगर या मिठाई के साथ शहद का उपयोग करने से शरीर में अतिरिक्त चीनी जमा हो जाती है, जिससे मोटापा, दिल के रोग और डायबिटीज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनके अलावा शहद को कभी मछली के साथ नहीं खाना चाहिए। यह पाचन तंत्र को प्रभावित कर विषाक्तता पैदा कर सकता है।

मूली और प्याज

शहद और मूली का मेल शरीर में विषाक्तता उत्पन्न कर सकता है। यह पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है और सूजन जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। आयुर्वेद ग्रंथ भी मूली को शहद के साथ न मिलाने की सलाह देते हैं। इसी तरह शहद और प्याज को समान मात्रा में मिलाने से शरीर में गर्मी और असंतुलन हो सकता है।

शहद और खट्टे फल

खट्टे फल (जैसे नींबू, संतरा) और गर्म शहद का संयोजन कुछ लोगों के पाचन तंत्र के लिए नुकसानदेह हो सकता है। यह पेट में जलन पैदा कर सकता है। हमेशा शुद्ध शहद का उपयोग करें, उबलते पानी, चाय, या दूध में शहद डालने से बचें। शहद को सूखे और ठंडे स्थान पर एयरटाइट कंटेनर में रखें और अधिक मात्रा में सेवन हानिकारक हो सकता है।

फ्रेंच फ्राइज के दीवाने हैं और नियमित सेवन करते हैं तो खतरे में है आपकी सेहत

फ्रेंच फ्राइज़ अपने स्वादिष्ट स्वाद के लिए जाने जाते हैं, लेकिन तेल में तले जाने, उच्च वसा सामग्री और मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसे संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के विकास के कारण, खासकर जब ज़्यादा पकाया जाता है, तो ये आपके संपूर्ण स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

फ्रेंच फ्राइज.. यह नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। बहरहाल, यह खबर उनके लिए है, जो नियमित रूप से फ्रेंच फ्राइज खाना पसंद करते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि ये स्वादिष्ट फ्राइज आपके स्वास्थ्य को आंतरिक रूप से कैसे प्रभावित कर रहे हैं? नियमित रूप से फ्रेंच फ्राइज का सेवन आपके शरीर को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। ये फ्राइज आम तौर पर तेल में डीप फ्राई किए जाते हैं, जिससे इनमें अस्वास्थ्यकर वसा और कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। इसके कारण वजन बढ़ता है। साथ ही ये मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप के खतरे को बढ़ाते हैं।

इसके अलावा, तलने की प्रक्रिया में एक्रिलामाइड जैसे हानिकारक यौगिक उत्पन्न होते हैं, खासकर जब फ्राइज को ज़्यादा पकाया जाता है। इनसे दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं। यहां हम कुछ कारण बताने जा रहे हैं कि आपको नियमित रूप से बहुत अधिक फ्रेंच फ्राइज खाने से क्यों बचना चाहिए।

खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है

फ्रेंच फ्राइज़ हाइड्रोजनीकृत तेल में तले जाते हैं, जिसमें ट्रांस वसा की उच्च मात्रा होती है। यह न केवल आपके खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) के स्तर को बढ़ाता है बल्कि आपके अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) के स्तर को भी कम करता है, जिससे हृदय स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

आंतों के लिए नुकसान दायक

फ्रेंच फ्राइज़ की उच्च वसा सामग्री और चिकनाई आपके आंत माइक्रोबायोम को नुकसान पहुंचा सकती है, स्वस्थ बैक्टीरिया को कम करते हुए अस्वस्थ बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देकर, आपके पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालती है।

वजन बढ़ने का कारण बनता है

फ्रेंच फ्राइज़ में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है, जिससे वे कैलोरी बम बन जाते हैं। नियमित सेवन सीधे तौर पर उनकी उच्च ऊर्जा सामग्री के कारण आसान और तेजी से वजन बढ़ने से जुड़ा है।

हृदय रोग का खतरा बढ़ाता है

फ्रेंच फ्राइज़ वसा और नमक से भरे होते हैं, जो उच्च रक्तचाप, मोटापे और मधुमेह के उच्च जोखिम में योगदान करते हैं—ऐसे कारक जो हृदय रोगों की संभावना को काफी बढ़ा देते हैं।

कैंसर का खतरा अधिक

कुछ लोगों को पता है कि फ्रेंच फ्राइज़ में उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जिससे रक्त शर्करा के स्तर में तेजी से वृद्धि होती है। समय के साथ, तलने की प्रक्रिया के दौरान हानिकारक यौगिकों के बनने के कारण, इससे कुछ कैंसर के बढ़ते जोखिम सहित स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

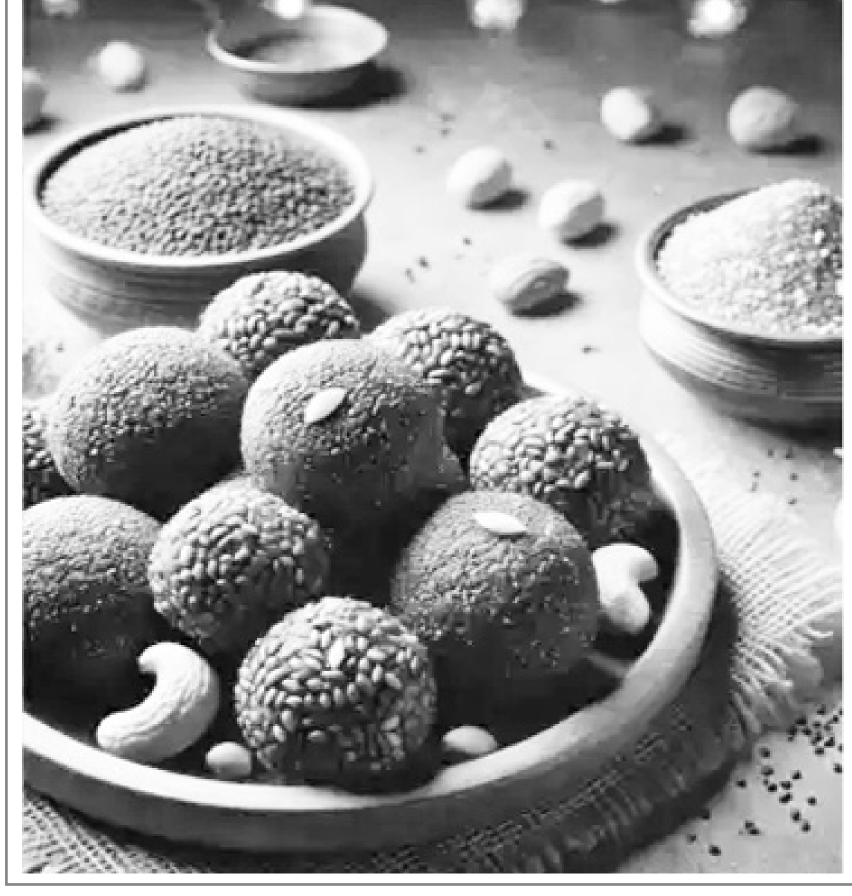

नसों में खून, हड्डियों में कैल्शियम भर सकते हैं रागी के लड्डू

शरीर को ताकतवर और इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए आप रागी के लड्डू खा सकते हैं, रागी में कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं।

इन दिनों इम्यून सिस्टम कमजोर होने से बीमारियों का ज्यादा खतरा होता है। कमजोर इम्यूनिटी, ठंड की बीमारियां, प्रदूषण आदि से आपके शरीर में कमजोरी और थकान पैदा हो सकती है। शरीर में जान भरने और इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए आप रागी लड्डू अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। राही का लड्डू कैल्शियम, फाइबर और आयरन आदि पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह शरीर को ताकत देता है, गर्म रखता है, इम्यूनिटी मजबूत करता है और बीमारियों से बचाता है।

जरूरी सामग्री

- 1 कप रागी आटा
- ¾ कप गुड़
- ¼ कप घी
- ¼ कप कद्दूकस किया नारियल
- ½ चम्मच इलायची पाउडर
- थोड़े भुने हुए नट्स बादाम, काजू, या किशमिश, बारीक कटे हुए

बनाने की विधि

- धीमी आंच पर एक पैन में रागी आटे को खुशबू आने तक भूनें। जलने से बचाने के लिए लगातार चलाते रहें।
- एक अलग पैन में 2-3 चम्मच पानी के साथ गुड़ को पिघलाएं।
- भुने हुए रागी आटे में पिघला हुआ गुड़ डालें और अच्छी तरह मिलाएं।
- इसमें नारियल, इलायची पाउडर और भुने हुए मेवे डालें।
- गर्म घी को धीरे-धीरे मिश्रण में डालें और इसे अच्छी तरह मिलाएं ताकि यह बंधने लगे।
- मिश्रण गर्म रहते हुए इसे हाथों से छोटे-छोटे गोले का आकार दें
- लड्डू को पूरी तरह ठंडा होने दें और फिर एक एयरटाइट डिब्बे में रखें। यह 10 दिनों तक ताजा रहता है।

हड्डियों को मिलेगी मजबूती

रागी कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। नियमित सेवन से ऑस्टियोपोरोसिस को रोका जा सकता है और बच्चों व बुजुर्गों की हड्डियों का विकास बेहतर होता है।

दिल को स्वस्थ रखने में सहायक

रागी में मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करते हैं, खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और दिल को स्वस्थ रखते हैं। यह लड्डू सर्दी-खांसी और संक्रमण से बचाव करते हैं।

पाचन में होता है सुधार

रागी में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो कब्ज को रोकता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। रागी आयरन से भरपूर होता है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने और एनीमिया को रोकने में मदद करता है। गुड़ के साथ मिलाने पर इसका आयरन कंटेंट और भी बढ़ जाता है।

वजन और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में सहायक

रागी में फाइबर अधिक होने के कारण यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे भूख कम लगती है और वजन कंट्रोल रहता है। रागी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है।

संक्षिप्त समाचार

सातवें स्थान पर रहे अनीश, 15 मेडल के साथ भारत का शूटिंग अभियान समाप्त

नागोया । 'एशियन गेम्स- 2026' में भारतीय शूटर अनीश भनवाला गुरुवार को आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल व्यक्तिगत फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। इसके साथ ही भारत का शूटिंग अभियान 15 मेडल के साथ समाप्त हो गया। अनीश का स्कोर अन्य शूटर्स के साथ 11 पर टाई हुआ, लेकिन क्वालिफिकेशन में कम रैंकिंग के कारण 'काउंटबैक' नियम से वे बाहर हो गए और सातवें स्थान पर रहे। एशियन गेम्स में भारतीय शूटर्स ने तीन गोल्ड, आठ सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना अभियान खत्म किया। अनीश ने क्वालिफिकेशन राउंड में 576-17× के स्कोर के साथ 9वां स्थान हासिल करने के बावजूद पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। टॉप आठ में साउथ कोरिया के तीन शूटर्स शामिल थे, लेकिन फाइनल में प्रति एनओसी (नेशनल ओलंपिक कमेटी) केवल दो शूटर्स को ही अनुमति होती है, जिससे अनीश के लिए आठवां और अंतिम क्वालिफाइंग स्थान हासिल करने का रास्ता साफ हो गया।

मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने पुरुषों के स्किफ इवेंट में सिल्वर जीता

गामागोरि सिटी । एशियन गेम्स में भारत ने सेलिंग में अपना पहला मेडल जीता। गुरुवार को पुरुषों के स्किफ इवेंट में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर मेडल हासिल किया। नौ रेस के बाद वे चीन की जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। भारतीय जोड़ी ने 23 पॉइंट्स के साथ रेगाटा (सेलिंग प्रतियोगिता) खत्म किया। चीन की जोड़ी, वेन जाइडिंग और लियू तियान ने 16 पॉइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता, जो भारतीय जोड़ी से चार

पॉइंट्स कम थे। हांगकांग, चीन के अकीरा ल्यूक सकाई और रसेल आयल्सवर्थ 24 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फ्रांसिस और नोबल का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा। उनका सबसे अच्छा नतीजा तीसरी रेस में आया, जिसे उन्होंने जीता। भारतीय सेलर्स ने रेस 3 जीती और रेस 1, 5 और 9 में दूसरे स्थान पर रहे। नौ रेस में उन्होंने कुल 29 पॉइंट्स हासिल किए। रेस 8 में छठे स्थान पर रहने के नतीजे को हटाकर उनका नेट स्कोर 23 रहा।

महिला स्क्वैश टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल, सेमीफाइनल में हांगकांग से मिली हार

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। हालांकि, टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ हार 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम 11-9 और दूसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया।

एशियन गेम्स: पाकिस्तान को 4-3 से हराया, कप्तान हरमनप्रीत ने मारे 2 गोल

फाइनल में भारतीय हॉकी टीम

काकामिगहारा । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान को एक रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया। मौजूदा चैंपियन ने अब एक और मेडल पक्का कर लिया है। पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया यह सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और मैच के अधिकांश समय में भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा था। मैच के आखिरी हाफ में पाकिस्तान ने जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी मिनट में अभिषेक के किए गोल ने न सिर्फ पाकिस्तान पर भारत को जीत दिलाई बल्कि एशियन गेम्स 2026 के फाइनल का टिकट भी दिलाया। भारत 3-0 की बढ़त के साथ आसान जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर की शुरुआत में ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अभिषेक ने आखिरी मिनट में निर्णायक गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिलाई और टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

पुरुष वॉलीबॉल क्वार्टर फाइनल में भारत को पाकिस्तान से मिली हार

ओकाजाकी । भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम को गुरुवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही एशियन गेम्स में पदक जीतने का भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का 1986 से चला आ रहा इंतजार बरकरार है। पाकिस्तान ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क जिम्नेजियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में भारत को 25-19, 25-23, 25-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पाकिस्तान वॉलीबॉल टीम ने 64 साल में पहली बार एशियाई खेलों में शीर्ष चार में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला बराबरी का था। स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। इसके बाद पाकिस्तान ने पहले सेट में बढ़त बनानी शुरू की और लगातार पांच पॉइंट जीतकर 16-11 से आगे हो गया।

ग्रीको-रोमन रेसलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर

सुनील कुमार ने इतिहास रचा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रेसलिंग इवेंट में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज करवा लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बन गए हैं। हांगझोऊ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोडियम पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर पकड़ बना ली और शुरुआती दांव-पेच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक और प्वाइंट्स मिला, जिससे मुकाबले के शुरू होने के 90 सेकंड के भीतर ही भारतीय खिलाड़ी को 5-0 की बढ़त मिल गई। सुनील ने ढील देने का कोई संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने एक और 'पैसिविटी' स्थिति का फायदा उठाते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचे गिराकर बढ़त को 7-0 कर दिया, जिससे रॉबर्ट्स भारतीय खिलाड़ी के लगातार हमलों का जवाब खोजने के लिए संघर्ष करते दिखे।

इसके कुछ ही देर बाद मुकाबला खत्म हो गया। सुनील ने एक और स्कोरिंग मूव करते हुए दो और प्वाइंट्स हासिल किए और 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के लिए जरूरी नौ प्वाइंट्स के अंतर तक पहुंच गए, जिससे मुकाबले का शानदार अंत हुआ।

यह ब्रॉन्ज मेडल उनके करियर में एक और अध्याय जोड़ता है, जिसमें पहले से ही छह एशियन चैंपियनशिप मेडल शामिल हैं। अब सुनील कॉन्टिनेंटल गेम्स में एक से ज्यादा ग्रीको-रोमन मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

एशियन गेम्स 2026: श्रीलंका को 124 रन से रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत

गोल्ड के लिए भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

जापान। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 124 रन के बड़े अंतर से हराया। अब गोल्ड मेडल के लिए भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। पाकिस्तान ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से मात देकर फाइनल का टिकट कटाया। भारत ने बनाए 169 रन निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में श्रीलंका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने महज 21 गेंदों में 38 रन बनाकर टीम के स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाया।

45 रन पर ढेर हुई श्रीलंका की टीम

170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की पारी भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह लड़खड़ा गई। पूरी टीम महज 9.5 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के 6 बल्लेबाज अपना खाता तक नहीं खोल सके। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए। भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के चलते श्रीलंकाई बल्लेबाज टिक नहीं सके और भारत ने मुकाबला 124 रन से अपने नाम कर लिया।

ईशान किशन की दमदार पारी

एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की भिंड़त श्रीलंका से हो रही है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 3 गेंदों में महज 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद संजू सैमसन भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 9 गेंदों में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा और वह 13 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, प्लेइंग

इलेवन में लौटे वैभव सूर्यवंशी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 21 गेंदों में 38 रनों की अहम पारी खेली। वैभव ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। वैभव के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन ने संभाला। दूसरे छोर से भारतीय टीम विकेट गंवाती रही, लेकिन ईशान क्रीज पर डटे रहे। उन्होंने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। फिफ्टी पूरा होने के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपना अंदाज बदला और उन्होंने अगली 13 गेंदों में 30 रन बनाए। ईशान 46 गेंदों में 80 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 4 चौके और 5 छक्के लगाए।

अक्षर पटेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 13 गेंदों का सामना करने के बावजूद सिर्फ 8 रन ही बना सके। उकप्तान तिलक वर्मा 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि शिवम दुबे महज 3 रन बनाकर थरिंदु रत्नायके का शिकार बने। वॉशिंगटन सुंदर 3 गेंदों में 7 रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई

निशिन । पाकिस्तान ने बांग्लादेश को सेमीफाइनल में 6 विकेट से हराकर एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। बारिश की वजह से गीले आउटफील्ड के कारण कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में 20 ओवर की जगह 13 ओवर का मैच खेला गया। पाकिस्तान को जीत के लिए 112 रन का लक्ष्य मिला था।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला कैंट भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर अनुबंधों के आवंटन के लिए IREPS वेबसाइट पर ई-ऑक्शन के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करते हैं।

क्र म.	लॉट संख्या	विवरण	नीलामी प्रारंभ तिथि / समय
1	ADVT-UMB-BTI-OH-39-22-2	बठिंडा में 720 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल में होर्डिंग/यूनिपोल प्रदर्शित करने के लिए थोक वाणिज्यिक विज्ञापन अनुबंध।	14.10.2026 12.00.00 hrs
2	ADVT-UMB-BTI-OSD-391-26-1	बठिंडा रेलवे स्टेशन पर 10'x8' अर्थात 80 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली 01 वीडियो वॉल के माध्यम से तीन वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल)।	14.10.2026 12.00.00 hrs
3	ADVT-UMB-SML-OSD-392-26-1	शिमला रेलवे स्टेशन पर 8'x6' अर्थात 48 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली 01 वीडियो वॉल के माध्यम से तीन वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल)।	14.10.2026 12.00.00 hrs
4	ADVT-UMB-UMB-OSD-393-26-1	अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर 86 इंच क्षेत्रफल वाली 01 एलईडी स्क्रीन के माध्यम से तीन वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल)।	14.10.2026 12.00.00 hrs
5	ADVT-UMB-KDZ-OSN-376-26-1	नैरो गेज (कालका-शिमला) खंड पर कंडाघाट (240 वर्ग फुट), तारादेवी (300 वर्ग फुट), सालोगढ़ा (240 वर्ग फुट), कैथलीघाट (480 वर्ग फुट), शोघी (240 वर्ग फुट) रेलवे स्टेशनों पर नॉन-डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	14.10.2026 12.00.00 hrs
6	ADVT-UMB-BTI-OSN-377-26-1	बठिंडा रेलवे स्टेशन पर नॉन-डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु 1014 वर्ग फुट स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	14.10.2026 12.00.00 hrs
7	ADVT-UMB-SIR-OSN-379-26-1	खन्ना (KNN) रेलवे स्टेशन पर 24 इंच व्यास वाले 14 नॉन-डिजिटल गोलाकार विज्ञापन बोर्डों तथा सरहिंद (SIR) रेलवे स्टेशन पर 18 इंच व्यास वाले 20 नॉन-डिजिटल गोलाकार विज्ञापन बोर्डों से युक्त नॉन-डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	14.10.2026 12.00.00 hrs
8	ADVT-UMB-KLK-OSN-380-26-1	कालका (KLK) रेलवे स्टेशन पर 24 इंच व्यास वाले 22 नॉन-डिजिटल गोलाकार विज्ञापन बोर्डों तथा प्रत्येक 2.5 मीटर x1 मीटर आकार अर्थात प्रत्येक का क्षेत्रफल 2.5 वर्ग मीटर वाले 4 बोर्डों से युक्त नॉन-डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु स्थान।	14.10.2026 12.00.00 hrs

नीलामी / लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु, रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जाये।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3414/26

गुवाहाटी में 'गरजा' गिल का बल्ला

'दोहरे शतक' के साथ वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा, वनडे सीरीज में भारत की अजेय बढ़त

गुवाहाटी। कप्तान शुभमन गिल की डबल सेंचुरी के दम पर भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बारसापरा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम किया। बुधवार को खेले गए इस मैच में दमदार जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 405 रन बनाए। इस टीम को 37 के स्कोर पर कीसी कार्टी (9) के रूप में पहला झटका लग गया था, जिसके बाद जॉन कैंपबेल ने शाई होप के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 गेंदों में 110 रन जोड़ते हुए टीम को 147 के स्कोर तक पहुंचा दिया। कैंपबेल 68 गेंदों में 5 छक्कों और 9 चौकों के साथ 101 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान शाई होप ने आमिर जंगू के साथ 131 गेंदो में 182 रन जोड़कर टीम को 300 के पार पहुंचा दिया।

होप 94 गेंदों में 104 रन बनाकर आउट हुए। उनकी

इस पारी में 3 छक्के और 8 चौके शामिल रहे, जबकि आमिर 77 गेंदों में 3 छक्कों और 13 चौकों के साथ 114 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा, रोस्टन चेज ने 29 रन की नाबाद पारी खेली।

भारत के लिए गूरनूर बरार, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में भारत ने 43.3 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 158 गेंदों में 255 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। रोहित 75 गेंदों में 6 छक्कों और 10 चौकों के साथ 101 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद गिल ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 65 रन जुटाकर टीम को 300 के पार पहुंचा दिया। यहां से गिल ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 68 गेदों में 86 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई।

एशियन गेम्स के फाइनल में कैसा रहा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, पाकिस्तान के खिलाफ 'वर्चस्व' बरकरार रखने की चुनौती

नई दिल्ली । भारतीय मेंस क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। श्रीलंका को सेमीफाइनल में 124 रनों से रौंदकर टीम इंडिया अब फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी द्वारा मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों पर ठेके आवंटित करने हेतु ई-नीलामी रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in, के माध्यम से बोली आमंत्रित की जा रही है। आवंटित की जाने वाले ठेको का विवरण निम्नलिखित है।

नीलामी काटलोग सं.	कार्य का विवरण	नीलामी तिथि व समय
UMB-Mix-42-2026	साइट प्लान के अनुसार, स्टेशन बिल्डिंग के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 507 वर्ग मीटर का एक बड़ा पार्किंग लॉट और रामपुरा फूल (PUL) रेलवे स्टेशन के दूसरे एंट्री पॉइंट पर कुल 386.82 वर्ग मीटर का टू-व्हीलर पार्किंग लॉट है।	14.10.2026 12:00:00

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3419/2026

न्यूज डायरी

मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है धान की खरीद का कार्य

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। जिला में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अब तक जिला में 590 मीट्रिक टन धान की खरीद हैफेड द्वारा की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ सीजन 2026-27 में जिला में दो सरकारी खरीद एजेंसियों- हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा धान की खरीद की जा रही है।

उन्होंने बताया कि हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी में 35 मीट्रिक टन, बरवाला में 435 मीट्रिक टन और रायपुरानी में 120 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है।

समाधान शिविर में एसडीएम कालका ने सुनीं जनसमस्याएं

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। एसडीएम कालका श्री संयम गर्ग ने आज एसडीएम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की जनसमस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा अधिकतम शिकायतों का मौके पर ही समाधान करवाया। समाधान शिविर में कुल 8 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें अधिकांश शिकायतें कालका क्षेत्र में पेयजल की पर्याप्त एवं सुचारू आपूर्ति न होने से संबंधित थीं। शिकायतकर्ताओं ने एसडीएम को अवगत करवाया कि कालका की विभिन्न कॉलोनियों में नदी पानी की आपूर्ति तथा पेयजल आपूर्ति सुचारू न होने के कारण लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

शिकायतों का संज्ञान लेते हुए एसडीएम श्री संयम गर्ग ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता को पेयजल से संबंधित समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। उन्होंने शिकायतकर्ताओं को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

एसडीएम श्री संयम गर्ग ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार समाधान शिविर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को कार्य दिवस पर प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

नवरात्र मेला की तैयारियों को लेकर एसडीएम संयम गर्ग ने ली बैठक

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। कालका के एसडीएम श्री संयम गर्ग ने आज अपने कार्यालय में आगामी 11 अक्तूबर से शुरू होने वाले अश्विन नवरात्र मेला की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की और संबंधित अधिकारियों को मेले के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग नवरात्र मेला शुरू होने से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करना सुनिश्चित करें। नवरात्रों में देशभर से श्रद्धालु काली माता के दर्शन के लिए आते हैं।

उन्होंने नवरात्रों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और वाहनों के सुगम आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिस कर्मचारियों की तैनाती करने के निर्देश दिए।

श्री संयम गर्ग ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को मेले के दौरान स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था तथा बिजली विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद द्वारा दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालयों की व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मंदिर परिसर की साफ-सफाई की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि मंदिर के अंदर और बाहर पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारियों की तैनाती की जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कें) को मंदिर तक जाने वाली सड़क की आवश्यकतानुसार मरम्मत करवाने तथा सड़क पर पड़े गड्ढों को भरने के निर्देश दिए।

पंचकूला जोन की उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की कार्यवाही 5, 12, 19 और 27 अक्तूबर को

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों कुरुक्षेत्र, अंबाला, पंचकूला, कैथल और यमुनानगर के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण 5, 12, 19 और 27 अक्तूबर को जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच, पंचकूला में किया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए बिजली निगम के प्रवक्ता ने बताया कि जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच रेगुलेशन 2.8.2 के अनुसार प्रत्येक मामले में 1 लाख रुपये से अधिक और 3 लाख रुपये तक की राशि के वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करेगा।

उन्होंने बताया कि पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के उपभोक्ताओं के गलत बिलों, बिजली की दरों से सम्बंधित मामलों, मीटर सिक्योरिटी से जुड़े मामलों, खराब हुए मीटरों से सम्बंधित मामलों, वोल्टेज से जुड़े हुए मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान बिजली चोरी, बिजली के दुरुपयोग और घातक गैर-घातक दुर्घटना आदि मामलों पर विचार नहीं किया जाएगा।

उपभोक्ता और निगम के बीच किसी भी विवाद के निपटान के लिए फोरम में विविध विवादों से संबंधित शिकायत प्रस्तुत करने से पहले पिछले छह महीने के दौरान उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए गए बिजली के औसत शुल्क के आधार पर गणना की गई प्रत्येक माह के लिए दावा की गई राशि या उसके द्वारा देय बिजली शुल्क के बराबर राशि, जो कम है, उपभोक्ता को जमा करवानी होगी। इस दौरान उपभोक्ता को प्रमाणित करना होगा कि यह मामला अदालत, प्राधिकरण या फोरम के समक्ष पेंडिंग (लंबित) नहीं है क्योंकि इस न्यायालय या फोरम में विचाराधीन मामलों पर बैठक के दौरान विचार नहीं किया जाएगा।

प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, अच्छी वोल्टेज और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। 'पूर्ण उपभोक्ता संतुष्टि' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके।

पंचकूला में ग्राम सभाओं की तैयारियों की समीक्षा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। जिला पंचकूला में ग्राम सभाओं के आयोजन से संबंधित कार्यों की प्रगति एवं तैयारियों की समीक्षा हेतु अतिरिक्त मुख्य सचिव, विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा श्री विजयेंद्र कुमार तथा निदेशक, विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा श्री सुशील सारवान की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त श्री विवेक आर्य, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी श्री विशाल पाराशर, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री संजय टांक, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों तथा संबंधित उपमंडल अभियंताओं ने भाग लिया।

बैठक के दौरान ग्राम सभाओं के आयोजन, आवश्यक तैयारियों तथा निर्धारित कार्यों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव एवं निदेशक, विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि ग्राम सभाओं का आयोजन प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए तथा ग्राम स्तर पर सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं।

नमो क्रिकेट लीग में कुरुक्षेत्र, नोएडा, पानीपत, जींद और समालखा की टीमें जीतीं

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। ताऊ देवी लाल क्रिकेट स्टेडियम सेक्टर-3 में चल रही नमो क्रिकेट लीग में विभिन्न मुकाबले खेले गए। दिनभर चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और दर्शकों ने भी क्रिकेट का जमकर आनंद लिया।

कुरुक्षेत्र किंग्स, नोएडा नाइट्स, पानीपत पैंथर्स, जींद जगुआर्स और समालखा सुपरस्टार्स ने अपने-अपने मुकाबले जीत दर्ज की। नमो क्रिकेट लीग का आयोजन सुदेश भंडारी चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन तरुण भंडारी की ओर से नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। मीडिया कोआर्डिनेटर संजीव सूद ने बताया कि खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार दिए जा रहे हैं। इसके अलावा चौके और छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों को भी अलग से नगद पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं।

कुरुक्षेत्र किंग्स ने 38 रन से जीता मुकाबला

कुरुक्षेत्र किंग्स ने रेवाड़ी-भिवानी रॉयल्स को 38 रन से हराया। कुरुक्षेत्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में छह विकेट पर 108 रन बनाए। जवाब में रेवाड़ी-भिवानी रॉयल्स की टीम 10 ओवर में नौ विकेट पर 70 रन ही बना सकी। शमशेर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। रितेश नोनू ने 44 रन बनाए, जबकि दिगशांत वासु ने चार विकेट हासिल किए।

नोएडा नाइट्स ने 12 रन से दर्ज की जीत

फरीदाबाद फाल्कन्स और नोएडा नाइट्स के बीच खेले गए मुकाबले में नोएडा ने 12 रन से जीत हासिल की। नोएडा नाइट्स ने 10 ओवर में छह विकेट पर 116 रन बनाए। फरीदाबाद फाल्कन्स की टीम 10 ओवर में छह विकेट पर 104 रन ही बना सकी। कपिल डैजलर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। सुरेश कुमार रैना ने 37 रन बनाए, जबकि अनिल कुमार ने दो विकेट लिए।

पानीपत पैंथर्स ने मेरठ को 23 रन से हराया

मेरठ मावेरिक्स के खिलाफ पानीपत पैंथर्स ने 23 रन से जीत दर्ज की। पानीपत ने 10 ओवर में पांच विकेट पर 90 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेरठ की टीम नौ ओवर में 67 रन पर ऑलआउट हो गई। आकाश राजपूत ने 57 रन की शानदार पारी खेली और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। राजत गुज्जर ने तीन विकेट हासिल किए।

जींद जगुआर्स ने चार ओवर में हासिल किया लक्ष्य

जींद जगुआर्स ने रोमांचक मुकाबले में लखनऊ लेजेंड्स को छह विकेट से हराया। लखनऊ ने 10 ओवर में आठ विकेट पर 42 रन बनाए। जींद ने महज चार ओवर में चार विकेट गंवाकर 45 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। सुनील नैन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। संदीप (डैनी) ने 21 रन बनाए, जबकि सुनील नैन ने दो विकेट हासिल किए।

समालखा सुपरस्टार्स ने एक रन से मारी बाजी

समालखा सुपरस्टार्स और यमुनानगर योद्धास के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला हुआ। समालखा ने सात ओवर में छह विकेट पर 72 रन बनाए। जवाब में यमुनानगर की टीम 10 ओवर में 71 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह समालखा ने मुकाबला महज एक रन से जीत लिया।

महात्मा गांधी जयंती पर सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित होगी विशेष ग्राम सभा, दिलाई जाएगी स्वच्छता की शपथ

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विकास एवं पंचायत विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर प्रदेषभर में सभी ग्राम पंचायतों में स्वच्छता दिवस मनाया जाएगा। इस दौरान सुबह 11 बजे विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाई जाएगी।

एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि विशेष ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही, ग्रामीणों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दिन गांव में जन योजना अभियान, जन कल्याणकारी योजना की उपलब्धि ग्रामीणों के समक्ष रखना, ग्राम सभाओं में ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए गांवों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी तथा आवश्यक प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके साथ ही सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गांव में किए गए जनकल्याणकारी एवं सेवा कार्यों तथा उनकी उपलब्धियों की जानकारी ग्राम सभा के समक्ष रखी जाएगी और आगामी जनसेवा कार्यों की प्राथमिकता ग्रामीणों के साथ मिलकर तय की जाएगी।

इसी प्रकार, स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत पंचायत, सरपंच, सफाई मित्र, स्वयं सहायता समूह, युवा क्लब, पुस्तकालय अधिकारी, स्काउट्स एवं गाइड्स तथा आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित ग्राम पंचायत के प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाकर गांव में स्वच्छता की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। पंचायत राज विभाग एवं विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत गांव की स्थानीय आवश्यकताओं और समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए योजना तैयार कर ग्राम सभा में औपचारिक प्रस्ताव पारित करवाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जल अर्पण अभियान की गतिविधियों को भी विशेष ग्राम सभा में शामिल किया जाएगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल जीवन मिशन के सहयोग से जल स्रोतों का रखरखाव, जल की उपलब्धता, स्वच्छता तथा 'हर घर जल' व्यवस्था के निरंतर संचालन की समीक्षा की जाएगी।उन्होंने बताया कि अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए खंड स्तर पर संबंधित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

बुजुर्गों के लिए अलग से संचालित किये जा रहे हैं जेरियाट्रिक क्लिनिक : आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं, जिनमें पंजीकरण, ओपीडी, लैब और दवा वितरण काउंटरों पर बुजुर्गों के लिए अलग कतार की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, अस्पतालों में अस्पताल परिचारक की सहायता से समर्पित जेरियाट्रिक क्लिनिक संचालित किए जा रहे हैं तथा हर महीने के तीसरे शुक्रवार को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष जांच शिविर लगाकर निःशुल्क दवाएं वितरित की जा रही हैं।

आज अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य, सम्मानजनक जीवन और बेहतर देखभाल के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार 'गरिमा के साथ उम्र बढ़नाः वृद्धजनों के लिए देखभाल और सहायता प्रणालियों को मजबूत करना' के संकल्प के साथ काम कर रही है।

आरती सिंह राव ने बताया कि सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में बुजुर्गों का व्यापक जेरियाट्रिक मूल्यांकन करने के साथ-साथ जिला नागरिक अस्पतालों में फिजियोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि घर बैठे ई-संजीवनी और टेलीमेडिसिन जैसे डिजिटल माध्यमों से विशेषज्ञ डॉक्टरों का परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि एक स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए पौष्टिक व संतुलित आहार लें, अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें और नियमित रूप से हल्की-फुल्की शारीरिक गतिविधियों में शामिल हों।

उन्होंने बुजुर्गों को तंबाकू, धूम्रपान और शराब जैसे व्यसनों से दूर रहने, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने तथा डॉक्टरों की सलाह के अनुसार नियमित दवाएं लेने का सुझाव दिया। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने समाज और परिवारों से भी बुजुर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों को नई गतिविधियां सिखाकर उन्हें व्यस्त रखें, उनसे सलाह लें, उनके साथ समय बिताएं और परिवार की परंपराओं व इतिहास पर चर्चा करें।

नमो ड्रोन दीदी से लखपति दीदी बनी अंबिका राणा, स्वरोजगार से लिख रही सफलता की नई कहानी

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को ऋण एवं प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जा रहा है, जिससे वे अपना रोजगार शुरू कर अच्छी आमदनी अर्जित कर आत्मनिर्भर बन रही हैं।

ग्राम पंचायत भोज कोठी, मोरनी की अंबिका राणा ऐसी ही सफल महिलाओं में शामिल हैं। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से ऋण और प्रशिक्षण प्राप्त कर अंबिका राणा पंचकूला जिले की पहली 'ड्रोन दीदी' बनी हैं। नमो ड्रोन दीदी से लखपति दीदी तक का उनका सफर महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल है।

अंबिका राणा ने अपनी सफलता का श्रेय हरियाणा सरकार और हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को देते हुए बताया कि उन्होंने नगर खेड़ा महिला स्वयं सहायता समूह के माध्यम से 5 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस ऋण और प्रशिक्षण की मदद से उन्होंने स्वरोजगार के विभिन्न कार्य शुरू किए। इनमें नमो ड्रोन दीदी प्रशिक्षण के बाद पंचकूला जिले में ड्रोन सेवा, सिलाई कार्य, ब्यूटी पार्लर का संचालन, ग्रामीण नागरिक सेवा केंद्र तथा बैंक सखी के रूप में वित्तीय समावेशन सेवाएं शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों के माध्यम से वह सालाना लगभग 2 से 3 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं।

इसमें ड्रोन सेवा से करीब 60 हजार रुपये तथा अन्य कार्यों से लगभग 1.40 लाख रुपये से 2.40 लाख रुपये तक की आय शामिल है।

अंबिका राणा ने जिले की अन्य महिलाओं से आह्वान किया कि वे हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाएं और प्रशिक्षण एवं ऋण सुविधाओं का उपयोग कर स्वरोजगार स्थापित करें। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने हुनर और मेहनत के बल पर आर्थिक रूप से सशक्त बनते हुए आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकती हैं।

सुपवा के तीन छात्रों के प्रिंट्स नेशनल एग्जीबिशन में होंगे शोकेस

रोहतक। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के तीन छात्रों की के एचिंग प्रिंट्स का चयन अहमदाबाद में होने वाले नेशनल प्रिंटमेकिंग एग्जीबिशन के लिए किया गया है। एग्जीबिशन 23 अक्टूबर से 1 नवंबर तक उर्मिला आर्ट गैलरी, कानोरिया सेंटर फॉर आर्ट्स में चलेगा। इस दौरान इन एचिंग प्रिंट्स को शोकेस किया जाएगा।

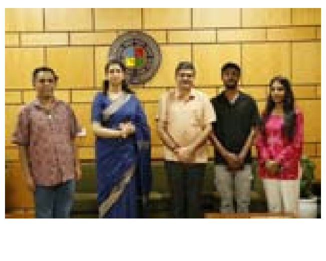

फैकेल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के एफसी विनय कुमार ने बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ पेंटिंग के चतुर्थ वर्ष में पढ़ रहे सागर, याशिका व दीपक के एचिंग प्रिंट्स का चयन हुआ है। इसे छात्रों के लिए बड़ी उपलब्धि कहा जा सकता है। इन प्रिंट्स को अहमदाबाद कल्चरल वीक के तहत चलने वाले नेशनल एग्जीबिशन की समूह प्रदर्शनी कैटेगिरी में 'गर्म होती धरती पर मानव पदचिन्ह' के तहत प्रदर्शित किया जाएगा। एग्जीबिशन में प्रिंटमेकर्स व ऐसे कलाकारों को एक साथ मंच प्रदान किया जाता है, जो प्रिंट को अपने प्राथमिक माध्यम के रूप में प्रयोग करते हैं।

उपायुक्त ने स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल व आसान बनाने के लिए आभा आईडी बनवाने की जिलावासियों से करी अपील

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज लघु सचिवालय के सभागार में उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में एबीएचए आईडी को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को अपनी व अपने परिवारों की आभा आईडी बनाकर उसका लाभ उठाने की अपील की।

उपायुक्त ने बताया कि एबीएचए आईडी को नागरिकों की डिजिटल स्वास्थ्य पहचान के रूप में विकसित किया गया है। व्यक्ति के स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए यह आभा आईडी बनाई गई है। डिजिटल स्वास्थ्य पहचान के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को व्यवस्थित तरीके से उपलब्ध रखा जाएगा।

अतिरिक्त उपायुक्त श्री विवेक आर्या ने कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से एबीएचए आईडी बनवाने की अपील की।

एबीएचए की संयुक्त निदेशक कीर्ति शर्मा ने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों और आम नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ना तथा उन्हें अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से व्यवस्थित रखने के प्रति जागरूक करना है।

उप सिविल सर्जन डॉ मनीष ने बताया कि एबीएचए में सुरक्षित एवं डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड, स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को सुविधाजनक तरीके से साझा करने तथा बेहतर एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाओं में सहायता जैसे विषय प्रमुख रहेंगे।

गांधी जयंती पर भाजपा चलाएगी सघन सफाई अभियान, खादी और स्वदेशी को बढ़ावा देने पर भी जोर

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में सघन सफाई अभियान चलाया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता जनप्रतिनिधियों और आमजन की भागीदारी के साथ जिला से लेकर मंडल स्तर तक चिह्नित स्थानों पर सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता और जनभागीदारी का संदेश देंगे।

वीरवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों एवं जिला प्रभारियों के साथ बैठक की। बैठक की शुरुआत भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन पवन राणा के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की गईं।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि जिला से लेकर मंडल स्तर तक कार्यकर्ताओं की विशेष रूप से जिम्मेदारी तय कर सफाई अभियान को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करने के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में खादी और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर भी विशेष चर्चा हुई। प्रदेशाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से अपने परिवार सहित खादी भंडारों पर जाने और खादी के वस्त्र खरीदकर स्वदेशी के प्रति लोगों को प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से युवाओं को खादी के महत्व, उसके गौरवशाली इतिहास और स्वदेशी भावना से जोड़ने की आवश्यकता है।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि आज युवाओं में विभिन्न विदेशी ब्रांड के वस्त्रों के प्रति आकर्षण है, इसलिए खादी को आधुनिक पीढ़ी के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए सकारात्मक प्रयास किए जाने चाहिए।

पिहोवा शहर की आंतरिक सड़क के सुधार को सरकार ने दी मंजूरी, लोगों को मिलेगी सुगम आवागमन की सुविधा : रणबीर गंगवा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पिहोवा शहर में लोगों को बेहतर और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने आंतरिक सड़क के सुधार कार्य को मंजूरी प्रदान की है। लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा ने बताया कि पिहोवा शहर की आरडी 50.860 से 58.860 किलोमीटर तक की आंतरिक सड़क पर 30 एमएम बीसी कारपेटिंग का कार्य किया जाएगा। इससे सड़क की स्थिति में सुधार होगा और वाहन चालकों सहित आमजन को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

यह सड़क भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से स्थानांतरित हुई है। सड़क की मौजूदा स्थिति को देखते हुए आगे होने वाले नुकसान को रोकने तथा सड़क उपयोगकर्ताओं को होने वाली असुविधा से बचाने के लिए 30 एमएम बीसी कारपेटिंग का कार्य किया जाएगा।

मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को बेहतर सड़क और आवागमन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सड़कों की मजबूती और बेहतर रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि आमजन को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक आवागमन मिल सके।

भाजपा में दायित्व बदलते हैं, संगठन का संकल्प और मिशन नहीं : नायब सैनी

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा में दायित्व बदलते हैं, लेकिन संगठन का संकल्प, विचारधारा और राष्ट्रसेवा का मिशन निरंतर चलता रहता है। भाजपा में व्यक्ति से बड़ा दल और दल से बड़ा देश है। मजबूत संगठन, अनुशासित कार्यकर्ता और बूथ तक खड़ा संगठनात्मक ढांचा भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।

गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में आयोजित अभिनंदन एवं धन्यवाद समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने हरियाणा प्रभारी रहे वर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री एवं पंजाब व जम्मू-कश्मीर प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, सहप्रभारी एवं राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर तथा निवर्तमान प्रदेश महामंत्री संगठन फणीन्द्रनाथ शर्मा के संगठनात्मक योगदान की सराहना की। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री संगठन पवन राणा का स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा में जिम्मेदारियां व्यक्ति की सुविधा नहीं, संगठन की आवश्यकता के अनुसार तय होती हैं। यहां विदाई नहीं, बल्कि दायित्वों का हस्तांतरण होता है। उन्होंने डॉ. सतीश पूनिया के संगठनात्मक अनुभव तथा सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि फणीन्द्रनाथ शर्मा ने सादगी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ बूथ से प्रदेश स्तर तक संगठन को मजबूत किया। हिमाचल प्रदेश में लंबे समय तक संगठन का कार्य कर चुके पवन राणा का अनुभव हरियाणा भाजपा को नई ऊर्जा देगा।

प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि संगठन की हर जिम्मेदारी सीखने और आगे बढ़ने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि डॉ. सतीश पूनिया ने कठिन परिस्थितियों में भी लगातार संगठन के लिए कार्य किया और बड़े भाई की तरह उनका मार्गदर्शन किया। विधानसभा चुनाव के दौरान स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बावजूद परिणाम के दिन वार रूम पहुंचना संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने फणीन्द्रनाथ शर्मा से मिले मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनसे धैर्य, निरंतर परिश्रम, कार्यकर्ताओं की बात सुनने और लगातार प्रवास करने की कार्यशैली सीखने को मिली। उन्होंने पवन राणा का स्वागत करते हुए कहा कि उनके व्यापक संगठनात्मक अनुभव का लाभ हरियाणा को मिलेगा।

राष्ट्रीय महामंत्री एवं पंजाब व जम्मू-कश्मीर प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि संगठन निरंतर प्रवाहित होने वाली धारा है। व्यक्ति और जिम्मेदारियां बदलती रहती हैं, लेकिन विचार और संगठन की यात्रा आगे बढ़ती रहती है। हरियाणा के कार्यकर्ताओं और नेतृत्व ने उन्हें परिवार जैसा अपनापन दिया है और जहां भी रहेंगे, हरियाणा से उनका जुड़ाव बना रहेगा।